जयपुर
माहेश्वरी पत्रिका

वर्ष 12 ❖ अंक 09 ❖ फरवरी 2022 ❖ मूल्य 10 रु.
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर की प्रस्तुति

रंगों की बहार

अ.भा.माहेश्वरी युवक-युवती
परिचय सम्मेलन
26-27 मार्च, 2022
'उत्सव' भवन, विद्याधर नगर, जयपुर

भामाशाह श्री सत्यनारायण- डॉ. आशा हिंगड़
द्वारा वैशाली नगर में 40×40 का भू-खण्ड
(कीमत लगभग 1.25 करोड़ रु.) प्रदत्त करने पर आभार
भूमि पूजन : 4 मार्च, प्रात: 9:15 बजे

'एकलव्य' स्पोर्टस एरेना,
MPS बगरू का लोकार्पण
13 मार्च, प्रात: 10:30 बजे

'कौटिल्य' ऑडिटोरियम,
MPS कालवाड़ का लोकार्पण
27 मार्च, प्रात: 11 बजे

60 सालो से आपके विश्वास पर खरा

माहेश्वरी चाय

स्थापित 1961

माहेश्वरी चाय

आपके कप की चाय

प्यार के रंग से भरो पिचकारी,
स्नेह के रंग से रंग दो दुनिया सारी.

VOCAL FOR LOCAL

आसाम के बागानों की चुनिंदा चाय

माहेश्वरी टी कम्पनी प्रा. लि., जयपुर (राज.)
फोन : 0141-2740919, 2312723
E-mail : contact@maheshwaritea.com • www.maheshwaritea.com

Follow Us : www.instagram.com/mahehwari_chai www.facebook.com/maheshwaritea

माहेश्वरी चाय के अलावा अन्य कोई उत्पाद हमारी कंपनी का नहीं है, मिलते जुलते नाम व पैकिंग से सावधान!!

SIDDHI

एकता और भाईचारा बढ़ाते हैं पर्व

होली में न कोई बड़ा, न छोटा

प्रदीप बाहेती

हाल ही हम सबने बसंत पंचमी का त्यौहार मनाया है। एक तरफ रबी फसल की कटाई की शुरुआत, दूसरी तरफ पीली-पीली सरसों के मनभावन खेत। इन्हें देखते ही हर किसी का मन उमंग से भर जाना स्वाभाविक है। महामारी के इस दौर में, जहाँ हर ओर निराशा का ही वातावरण दिखाई देता है, ऐसे दृश्य मन को सुकून देते हैं। मानव स्वभाव से ही उत्सव प्रिय रहा है। वह इन उत्सवों-त्यौहारों के बहाने खुशियाँ मना लेता है। त्यौहारों से मनुष्य के जीवन की एकरसता खत्म होती है। वह अपनी परेशानियों को कुछ समय के लिए भूल जाता है।

कुछ ही दिनों बाद रंगों का पर्व होली आने वाला है। यह अपनी तरह का बिल्कुल अलग ही त्यौहार है। इस दिन न कोई बड़ा, न छोटा। सब बराबरी से एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, गले मिलते हैं। इस दिन अनेक दुश्मन भी दोस्त बन जाते देखे गए हैं। रंगों का त्यौहार होली सांप्रदायिक सौहार्द्र, एकता और भाईचारा बढ़ाने वाला पर्व भी होता है।

ज्यादातर भारतीय त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक हैं। दशहरा रावण रूपी बुराई पर राम रूपी अच्छाई की जीत की खुशी में मनाया जाता है। इसी तरह होली भी बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देती है। बुराई रूपी होलिका ने अच्छाई रूपी प्रहलाद को भस्म करना चाहा था, पर खुद ही भस्म हो गई थी। यह त्यौहार सैकड़ों वर्षों से मनाए जा रहे हैं। आज इनके स्वरूप में परिवर्तन भले ही हो गया हो, लेकिन इनकी मूल भावना में कोई अंतर नहीं आया है। आज समाज में इन भावनाओं की बहुत जरुरत है। लोगों के बीच जो प्रतिस्पर्द्धा, कटुता बढ़ रही है, उसे त्यौहार काफी हद तक कम करते हैं।

त्यौहार कोई भी हो, इस बहाने व्यक्ति को अपने मित्रों, संबंधियों और पड़ोसियों के प्रति सद्भावना दर्शाने का अवसर मिलता है। यदि त्यौहार न हों, तो व्यक्ति खाने-कमाने में ही उलझा रहे। शुभकामनाएँ देने का अवसर निकालना ही उसके लिए कठिन हो जाए।

त्यौहार कोई भी हो, इस बहाने व्यक्ति को अपने मित्रों, संबंधियों और पड़ोसियों के प्रति सद्भावना दर्शाने का अवसर मिलता है।

एक बात और कहना चाहूंगा कि कोरोना महामारी का असर धीमे-धीमे कम हो रहा है। प्रसन्नता की बात यह है कि तमाम परेशानियों व बंदिशों के बीच भी हमने अपना जज्बा नहीं खोया। समाज बंधुओं के सहयोग से हम गतिशील रहे और अनेक उपलब्धियाँ प्राप्त कीं। इनमें मुख्य हैं एमपीएस बगरू में 'एकलव्य' स्पोर्ट्स एरेना और एमपीएस कालवाड़ में 'कौटिल्य' ऑडिटोरियम। इनका लोकार्पण 13 मार्च व 27 मार्च को होने जा रहा है। इसके अलावा चांदपोल मोक्षधाम का जीर्णोद्धार एवं जयसिंह हाइवे, बनीपार्क पर बहुउद्देशीय शिक्षण संस्थान का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। यह सभी समाजबंधुओं के सहयोग से ही संभव हो पाया है।

सभी समाज बंधुओं व पाठकों को होली पर्व की शुभकामनाएँ!

Trusted by Professional Sports Teams for Ligament Injuries
(Pink Panther Pro Kabaddi Team)
(Rajasthan Royals Team, IPL)
Other Services:
Hip Replacement, AVN
Fast Track Knee Replacement
☑ ACL Tear
☑ Meniscus Tear
☑ Shoulder Dislocation
☑ PCL Tear
☑ Muscle Tear
☑ Shoulder Pain
Dr. Arun Partani
Senior Consultant
Joint Replacement, Arthroscopic
& Sports Injury Surgeon
C.K, Birla Hospital
For Patient Stories - practo.com/jaipur/arun partani & google/partani clinic
DENTAL
IMPLANTS
not only replace your teeth
but improve your confidence
and quality of life!
Dr. Bharti Partani
BDS, MDS
Prosthodontist & Implantologist
PARTANICLINIC
M-21, Mahesh Colony, Tonk Phatak, Jaipur
For Queries 9783788887, 8742067974, 9887302501

वर्ष 12 | अंक 9 | फरवरी, 2022
RNI NO. RAJBIL/2010/36984

2621644
2623500
2621100

जयपुर
माहेश्वरी पत्रिका
JAIPUR MAHESHWARI PATRIKA
प्रशासनिक कार्यालय : तृतीय तल, एम.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल, तिलक नगर, जयपुर
पंजीकृत कार्यालय : श्री माहेश्वरी भवन, सिंधी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर
Email : shrimaheshwarisamaj.jaipur@gmail.com
jmpatrika@gmail.com
Website : www.maheshwarisamajjaipur.com

विकास कार्यों में लोगों का सहयोग जरूरी

त्यौहारों से बढ़ता है जीवन में उल्लास

कोरोना महामारी का असर धीरे-धीरे कम हो रहा है। मौसम भी बदल रहा है। सरकार ने धीरे-धीरे पाबंदियाँ भी हटानी शुरू कर दी हैं। बाजारों में चहल-पहल भी कुछ बढ़ी है। इस महामारी के कारण समाज के कामों में भी कुछ समय के लिए गतिरोध आया था, पर अब उनमें तेजी आ गई है। समाज की विभिन्न योजनाएँ द्रुत गति से आगे बढ़ रही हैं। किसी भी काम के लिए लोगों का सहयोग जरूरी होता है। हर्ष की बात यह है कि समाज के लोग इसमें पीछे नहीं रहते। वे परोपकार और मानवता का महत्व समझते हैं। मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं। ऐसा ही एक उदाहरण पेश किया है भामाशाह श्री सत्यनारायण एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ. आशा हिंगड़ ने। इन्होंने जयपुर के वैशाली नगर में लगभग सवा करोड़ रुपए का एक भूखण्ड समाज को प्रदत्त किया है, उनका आभार।

मानव जीवन में त्यौहारों का बड़ा महत्व होता है। वे हमारे जीवन में उल्लास बढ़ाते हैं। इसके अलावा परस्पर मेल-मिलाप में बढ़ोतरी होती है। कुछ ही दिन बाद महाशिवरात्रि और होली का त्यौहार है। महाशिवरात्रि भगवान महेश की आराधना का पर्व है। वह सबकी इच्छापूर्ण करने वाले हैं।

रंग-बिरंगे होली के त्यौहार का तो कहना ही क्या? महामारी के कारण पिछले एक-दो साल से लोग होली का पूरी तरह से आनंद नहीं उठा पाए, उम्मीद है कि इस बार होली पहले से बेहतर होगी। होली में हमें इस बात का भी ध्यान रखना है कि होली शालीनता से मनाएँ। सड़कों पर हुड़दंग न मचाएं। पानी वाले रंगों की जगह गुलाल-अबीर का प्रयोग करें।

राजस्थान की होली तो देशभर में प्रसिद्ध है। यहाँ शेखावाटी में पूरे फाल्गुन मास में चंग और ढप की थाप पर होली के गीत गाये जाते हैं। सभी इसका आनंद लेते हैं।

अगले माह 26-27 मार्च को समाज द्वारा 21वाँ दो दिवसीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उम्मीद है कि यह समाज के लिए उपयोगी साबित होगा। आप सभी समाज बंधुओं से आग्रह है कि इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए समाज मैरिज ब्यूरो में अधिक से अधिक बायोडेटा पंजीयन हेतु समाज बंधुओं को प्रेरित करें।

सभी को महाशिवरात्रि और होली की हार्दिक शुभकामनाएँ।

रामदास कोठ्यारी
– संपादक

गोपाल लाल मालपानी
महामंत्री

सतीश कुमार सारडा
प्रचार मंत्री

रामदास कोठ्यारी
संपादक

विशेषांक प्रस्तुति :
चन्द्रमोहन शारदा
सलाहकार :
रमेश चन्द जाखोटिया
(संगठन मंत्री)
बृजमोहन बाहेती
संध्या चितलांग्या
राजेन्द्र गट्टानी
जयकृष्ण पटवारी
प्रबन्ध सम्पादक :
सुनील अजमेरा (मालवीय नगर)
सह-प्रबन्ध सम्पादक :
विनोद अजमेरा
सह-सम्पादक :
सी.ए. राजकुमार गट्टानी
सी.ए. दिलीप सारडा
निरंजन राठी
सतीश नागौरी (सांगानेर)
किशन स्वरूप कालानी
पंकज काबरा
प्रवीण भूतड़ा
पंकज चितलांग्या
सम्पादकीय टीम :
सुनील कुमार नौगजा
सुभाष काबरा
द्वारका प्रसाद तापड़िया
कमल किशोर मूँदड़ा
बालकृष्ण जाजू 'बालक'
सी.ए. वरूण धूत
महेश अजमेरा
विज्ञापन समन्वयक :
श्रीकिशन अजमेरा
रामकृष्ण बागला
विज्ञापन सह-संयोजक :
नवलकिशोर माहेश्वरी (सांगानेर)
अंकुर बल्लभ चितलांगिया
विज्ञापन संकलन टीम :
देवेन्द्र झंवर, गोपाल तामड़ी
जयकुमार चांडक
सी.ए. योगेश जाजू
अमित चांडक
डॉ. रमेश मालू
साज-सज्जा
कैलाश प्रजापत
आभार : कल्याण।

गोपाल लाल मालपानी-महामंत्री द्वारा श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक व मुद्रक

RERA No.: RAJ/P/2017/032
Rera Website: www.rera.rajasthan.gov.in

vilasa®
DEVELOPING LUXURY

TARUCHAYA
RESIDENCY

Celebrate the festival called life

आज ही गृह प्रवेश करें अपने सपनों के आशियाने में

READY FOR POSSESSION
2 & 3 BHK FLAT

फ्लैट प्राइस शुरू मात्र 45 लाख से 70 लाख*

Nirman Nagar Extension, Ajmer Road, Jaipur

World class amenities offers comfort beyond imagination

Elder's Entertainment Lounge

Cricket Net

Gymnasium

Swimming Pool

AC Party Hall

Indoor Games Room

Landscaped Central Courtyard

Kids Play Area

Badminton Court

Table Tennis

Customer Care No.: + 91-8824212000

TARUCHAYA COLONIZERS PVT. LTD.: Corp. Office: 6-F-13, Mahima Triniti, Swage Farm, N.S.Road, Jaipur - 302019 • E: Info@vilasagroup.com • www.vilasagroup.com

Disclaimer: Builders and Developers reserve the right to change any design and specification of the building without any prior notice and information. This advertisement is for illustration purpose only and it cannot be in any way treated as a legal document. All information specifications, plans, material and visual representations contained in the Advertisement, model & sample are subject to change time to time by the developer and/ the company authorities add shall not form part of the offer or contract. TERMS AND CONDITIONS APPLY.

महाशिवरात्रि व्रत का रहस्य

महाशिवरात्रि व्रत फाल्गुन मास के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी तिथि को किया जाता है। इस व्रत को अर्धरात्रिव्यापिनी चतुर्दशी तिथि में करना चाहिये, चाहे यह तिथि पूर्वा (त्रयोदशीयुक्त) हो, चाहे परा हो। नारदसंहिता के अनुसार जिस दिन फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी तिथि आधी रात के योग वाली हो उस दिन जो शिवरात्रि व्रत करता है, वह अनन्त फल को प्राप्त करता है। इस सम्बन्ध में तीन पक्ष हैं-1. चतुर्दशी को प्रदोषव्यापिनी, 2. निशीथ (अर्धरात्रि) व्यापिनी एवं 3. उभयव्यापिनी। व्रतराज, निर्णयसिन्धु तथा धर्मसिन्धु आदि ग्रन्थों के अनुसार निशीथव्यापिनी चतुर्दशी तिथि को ही ग्रहण करना चाहिये। अत: चतुर्दशी तिथि का निशीथ व्यापिनी होना ही मुख्य है, परंतु इस के अभाव में प्रदोष व्यापिनी के ग्राह्य होने से यह पक्ष गौण है। इस कारण पूर्वा या परा दोनों में जो भी निशीथ व्यापिनी चतुर्दशी तिथि हो, उसी में व्रत करना चाहिये।

चतुर्दशी के स्वामी शिव

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार प्रतिपदा आदि सोलह तिथियों के अग्नि आदि देवता स्वामी होते हैं, अत: जिस तिथि का जो देवता स्वामी होता है, उस देवता का उस तिथि में व्रतपूजन करने से उस देवता की विशेष कृपा उपासक को प्राप्त होती है। चतुर्दशी तिथि के स्वामी शिव हैं अथवा शिव की तिथि चतुर्दशी है। अत: इस तिथि की रात्रि में व्रत करने के कारण इस व्रत का नाम 'शिवरात्रि' होना उचित ही है। इसीलिये प्रत्येक मास के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी में शिवरात्रि व्रत होता है, जो मासशिवरात्रि व्रत कहलाता है। शिवभक्त प्रत्येक कृष्णचतुर्दशी का व्रत करते हैं, परंतु फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को अर्धरात्रि में 'शिवलिंगतयोद्भूत: कोटिसूर्यसमप्रभ:'-ईशान संहिता के इस वचन के अनुसार ज्योतिर्लिङ्ग का प्रादुर्भाव होने से यह पर्व महाशिवरात्रि के नाम से विख्यात हुआ। इस व्रत को ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र, स्त्री-पुरुष और बाल-युवा-वृद्ध आदि सभी कर सकते हैं। जिस प्रकार श्रीराम, श्रीकृष्ण, वामन और नृसिंहजयन्ती तथा प्रत्येक एकादशी का व्रत हरेक को करना चाहिये, उसी प्रकार महाशिवरात्रि व्रत भी सभी को करना चाहिये। इसे न करने से दोष लगता है।

व्रत का महत्त्व शिवपुराण की कोटिरुद्र संहिता में बताया गया है कि शिवरात्रि व्रत करने से व्यक्ति को भोग एवं मोक्ष दोनों ही प्राप्त होते हैं। ब्रह्मा, विष्णु तथा पार्वती जी के पूछने पर भगवान् सदाशिव ने बताया कि शिवरात्रि व्रत करने से महान् पुण्य की प्राप्ति होती है। मोक्षार्थी को मोक्ष की प्राप्ति कराने वाले चार व्रतों को नियमपूर्वक पालन करना चाहिये। ये चार व्रत हैं, 1. भगवान् शिव की पूजा, 2. रुद्रमन्त्रों का जप, 3. शिवमन्दिर में उपवास तथा 4. काशी में देहत्याग। शिवपुराण में मोक्ष के चार सनातन मार्ग बताये गये हैं। इन चारों में भी शिवरात्रि व्रत का विशेष महत्त्व है। अत: इसे अवश्य करना चाहिये। यह सभी के लिये धर्म का उत्तम साधन है। निष्काम अथवा सकामभाव से सभी मनुष्यों, वर्णों, आश्रमों, स्त्रियों, बालकों तथा देवताओं आदि के लिये यह महान् व्रत परम हितकारक माना गया है। प्रत्येक मास के शिवरात्रि व्रतों में भी फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी में होने वाले महाशिवरात्रि व्रत का शिवपुराण में विशेष माहात्म्य बताया गया है।

रात्रि ही क्यों?

अन्य देवताओं का पूजन, व्रत आदि जबकि प्राय: दिन में ही होता है तब भगवान् शंकर को रात्रि ही क्यों प्रिय हुई और वह भी फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी तिथि ही क्यों? इस जिज्ञासा का समाधान विद्वानों ने बताया है कि भगवान् शंकर संहारशक्ति और तमोगुण के अधिष्ठाता हैं, अत: तमोमयी रात्रि से उन का स्नेह (लगाव) होना स्वाभाविक ही है। रात्रि संहारकाल की प्रतिनिधि है, उसका आगमन होते ही सर्वप्रथम प्रकाश का संहार, जीवों की दैनिक कर्मचेष्टाओं का संहार और अन्त में निद्रा द्वारा चेतनता का ही संहार होकर सम्पूर्ण विश्व संहारिणी रात्रि की गोद में अचेतन होकर गिर जाता है। ऐसी दशा में प्राकृतिक दृष्टि से शिव का रात्रि प्रिय होना सहज ही हृदयङ्गम हो जाता है। यही कारण है कि भगवान् शंकर की आराधना न केवल इस रात्रि में ही वरन् सदैव प्रदोष (रात्रि के प्रारम्भ होने)- के समय में की जाती है।

शिवरात्रि का कृष्णपक्ष में होना भी साभिप्राय ही है। शुक्लपक्ष में चन्द्रमा पूर्ण (सबल) होता है, और कृष्णपक्ष में क्षीण। उस की वृद्धि के साथ-साथ संसार के सम्पूर्ण रसवान् पदार्थों में वृद्धि और क्षय के साथ-साथ उन में क्षीणता होना स्वाभाविक एवं प्रत्यक्ष है। क्रमश: घटते-घटते वह चन्द्रमा अमावस्या को बिलकुल क्षीण हो जाता है। चराचर जगत् के यावन्मात्र मन के अधिष्ठाता उस चन्द्र के क्षीण हो जाने से उसका प्रभाव अण्ड-पिण्डवाद के अनुसार सम्पूर्ण भूमण्डल के प्राणियों पर भी पड़ता है और उन्मना जीवों के अन्त:करण में तामसी शक्तियाँ प्रबुद्ध होकर अनेक प्रकार के नैतिक एवं सामाजिक अपराधों का कारण बनती हैं। इन्हीं शक्तियों का अपर नाम आध्यात्मिक भाषा में भूत-प्रेतादि है और शिव को इनका नियामक (नियन्त्रक) माना जाता है। दिन में यद्यपि जगदात्मा सूर्य की स्थिति से आत्मतत्त्व की जागरूकता के कारण

ये तामसी शक्तियाँ अपना विशेष प्रभाव नहीं दिखा पाती हैं, किंतु चन्द्रविहीन अन्धकारमयी रात्रि के आगमन के साथ ही वे अपना प्रभाव दिखाने लगती हैं। इसलिये जैसे पानी आने से पहले ही पुल बाँधा जाता है, उसी प्रकार इस चन्द्रक्षय (अमावस्या)-तिथि के आने से सद्य:पूर्व ही उन सम्पूर्ण तामसी वृत्तियों के उपशमनार्थ इन वृत्तियों के एकमात्र अधिष्ठाता भगवान् आशुतोष की आराधना करने का विधान शास्त्रकारों ने किया है। विशेषतया कृष्णचतुर्दशी की रात्रि में शिवाराधना का रहस्य है।

फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी का रहस्य

जहाँ तक प्रत्येक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के शिवरात्रि कहलाने की बात है, वे सभी शिवरात्रि ही कहलाती हैं और पञ्चाङ्गों में उन्हें इसी नाम से लिखा जाता है, परंतु फाल्गुन की शिवरात्रि महाशिवरात्रि के नाम से पुकारी जाती है। जिस प्रकार अमावस्या के दुष्प्रभाव से बचने के लिये उससे ठीक एक दिन पूर्व चतुर्दशी को यह उपासना की जाती है, उसी प्रकार क्षय होते हुए वर्ष के अन्तिम मास चैत्र से ठीक एक मास पूर्व फाल्गुन में ही इसका विधान शास्त्रों में मिलता है जो कि सर्वथा युक्तिसंगत ही है। साथ ही रुद्रों के एकादश संख्यात्मक होने के कारण भी इस पर्व का 11वें मास (फाल्गुन) में सम्पन्न होना इस व्रतोत्सव के रहस्य पर प्रकाश डालता है।

उपवास-रात्रिजागरण क्यों? ऋषि-महर्षियों ने समस्त आध्यात्मिक अनुष्ठानों में उपवास को महत्त्वपूर्ण माना है। गीता (२।५९)- की इस उक्ति **'विषया विनिवर्तन्ते निराहारस्य देहिन:'** के अनुसार उपवास विषय-निवृत्ति का अचूक साधन है। अत: आध्यात्मिक साधना के लिये उपवास करना परमावश्यक है। उपवास के साथ रात्रिजागरण के महत्त्व पर गीता (२।६९)- का यह कथन अत्यन्त प्रसिद्ध है-'या निशा सर्वभूतानां तस्यां जागर्ति संयमी।' इसका सीधा तात्पर्य यही है कि उपवासादि द्वारा इन्द्रियों और मन पर नियन्त्रण करने वाला संयमी व्यक्ति ही रात्रि में जागकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये प्रयत्नशील हो सकता है। अत: शिवोपासना के लिये उपवास एवं रात्रि जागरण के अतिरिक्त और कौन साधन उपयुक्त हो सकता है? रात्रि प्रिय शिव से भेंट करने का समय रात्रि के अलावा और कौन समय हो सकता है? इन्हीं सब कारणों से इस महान् व्रत में व्रतीजन उपवास के साथ रात्रि में जागकर शिवपूजा करते हैं।

पूजाविधि

शिवपुराण के अनुसार व्रती पुरुष को प्रात:काल उठकर स्नान-संध्या आदि कर्म से निवृत्त होने पर मस्तक पर भस्म का त्रिपुण्ड तिलक और गले में रुद्राक्ष

माला धारण कर शिवालय में जाकर शिवलिंग का विधिपूर्वक पूजन एवं शिव को नमस्कार करना चाहिये। तत्पश्चात् उसे श्रद्धापूर्वक व्रत का इस प्रकार संकल्प करना चाहिये

शिवरात्रि व्रतं ह्येतत् करिष्येऽहं महाफलम्।
निर्विघ्नमस्तु मे चात्र त्वत्प्रसादाजगत्पते ॥

यह कहकर हाथ में लिये पुष्पाक्षत, जल आदि को छोड़ने के पश्चात् यह श्लोक पढ़ना चाहिये-

देवदेव महादेव नीलकण्ठ नमोऽस्तु ते।
कर्तुमिच्छाम्यहं देव शिवरात्रिव्रतं तव॥
तव प्रसादाद्देवेश निर्विघ्नेन भवेदिति।
कामाद्या: शत्रवो मां वै पीडां कुर्वन्तु नैव हि॥

(शिवपु० कोटिरुद्रसंहिता ३८।२८-२९)

अर्थात् हे देवदेव! हे महादेव! हे नीलकण्ठ! आपको नमस्कार है। हे देव! मैं आपका शिवरात्रि व्रत करना चाहता हूँ। हे देवेश्वर! आप की कृपा से यह व्रत निर्विघ्न पूर्ण हो और काम, क्रोध, लोभ आदि शत्रु मुझे पीड़ित न करें।

रात्रिपूजा

दिनभर अधिकारानुसार शिव मन्त्र का यथाशक्ति जप करना चाहिये अर्थात् जो द्विज हैं और जिनका विधिवत् यज्ञोपवीत-संस्कार हुआ है तथा नियमपूर्वक यज्ञोपवीत धारण करते हैं, उन्हें **'ॐ नम: शिवाय'** मन्त्र का जप करना चाहिये, परंतु जो द्विजेतर अनुपनीत एवं स्त्रियाँ हैं, उन्हें प्रणवरहित 'शिवाय नम:' मन्त्र का ही जप करना चाहिये। रुग्ण, अशक्त और वृद्धजन दिन में फलाहार ग्रहणकर रात्रि पूजा कर सकते हैं, वैसे यथाशक्ति बिना फलाहार ग्रहण किये रात्रि पूजा करना उत्तम है। रात्रि के चारों प्रहरों की पूजा का विधान शास्त्रकारों ने किया है। सायंकाल स्नान करके किसी शिव मन्दिर में जाकर अथवा घर पर ही (यदि नर्मदेश्वर अथवा अन्य इसी प्रकार का शिवलिंग हो) सुविधानुसार पूर्वाभिमुख या उत्तराभिमुख होकर और तिलक एवं रुद्राक्ष धारण करके पूजा का इस प्रकार संकल्प करे-देशकाल का संकीर्तन करने के अनन्तर बोलें **'ममाखिलपापक्षयपूर्वकसकलाभीष्टसिद्धये शिवप्रीत्यर्थं च शिवपूजनमहं करिष्ये।'** अच्छा तो यह है कि किसी वैदिक विद्वान् ब्राह्मण के निर्देशन में वैदिक मन्त्रों से रुद्राभिषेक का अनुष्ठान कराया जाय।

व्रती को पूजा की सामग्री अपने पास में रखनी चाहिये- ऋतुकाल के फल-पुष्प, गन्ध (चन्दन), बिल्वपत्र, धतूरा, धूप, दीप और नैवेद्य आदि द्वारा चारों प्रहर की पूजा करनी चाहिये। दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से अलग-अलग तथा सबको एक साथ मिलाकर पञ्चामृत से शिव को स्नान कराकर जलधारा से उनका अभिषेक करना चाहिये। चारों पूजनों में पञ्चोपचार अथवा षोडशोपचार, यथालब्धोपचार से पूजन करते समय शिवपञ्चाक्षर ('नम: शिवाय')-मन्त्र से अथवा रुद्रपाठ से भगवान् का जलाभिषेक करना चाहिये। भव, शर्व, रुद्र, पशुपति, उग्र, महान्, भीम और ईशानइन आठ नामों से पुष्पाञ्जलि अर्पित कर भगवान् की आरती और परिक्रमा करनी चाहिये। अन्त में भगवान् शम्भु से इस प्रकार प्रार्थना करनी चाहिये-

नियमो यो महादेव कृतश्चैव त्वदाज्ञया।
की विसृज्यते मया स्वामिन् व्रतं जातमनुत्तमम्॥
व्रतेनानेन देवेश यथाशक्तिकृतेन च।
सन्तुष्टो भव शर्वाद्य कृपां कुरु ममोपरि॥

(शिवपुराण, कोटिरुद्रसंहिता ३८॥४२-४३)

अर्थात् 'हे महादेव! आप की आज्ञा से मैंने जो व्रत किया, हे स्वामिन्! वह परम उत्तम व्रत पूर्ण हो गया। अत: अब उसका विसर्जन करता हूँ। हे देवेश्वर शर्व! यथाशक्ति किये गये इस व्रत से आप आज मुझ पर कृपा कर के संतुष्ट हों।'

अशक्त होने पर यदि चारों प्रहर की पूजा न हो सके तो पहले प्रहर की पूजा अवश्य करनी चाहिये और अगले दिन प्रात:काल पुन: स्नानकर भगवान् शंकर की पूजा करने के पश्चात् व्रत की पारणा करनी चाहिये। स्कन्दपुराण के अनुसार इस प्रकार अनुष्ठान करते हुए शिवजी का पूजन, जागरण और उपवास करने वाले मनुष्य का पुनर्जन्म नहीं होता।

इस महान् पर्व के विषय में एक आख्यान के अनुसार शिवरात्रि के दिन पूजन करती हुई किसी स्त्री का आभूषण चुरा लेने के अपराध में मारा गया कोई व्यक्ति इसलिये शिवजी की कृपा से सद्गति को प्राप्त हुआ; क्योंकि चोरी करने के प्रयास में वह आठ प्रहर भूखा-प्यासा और जागता रहा। इस कारण अनायास ही व्रत हो जाने से शिवजी ने उसे सद्गति प्रदान कर दी।

इस व्रत की महिमा का पूर्णरूप से वर्णन करना मानवशक्ति से बाहर है। अत: कल्याण के इच्छुक सभी मनुष्यों को यह व्रत करना चाहिये। ■

महाशिवरात्रि
महोत्सव और आख्यान

[फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी]

शिवरात्रि का अर्थ वह रात्रि है जिसका शिव तत्त्व के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध है। भगवान् शिवजी की अतिप्रिय रात्रि को 'शिवरात्रि' कहा गया है।

शिवार्चन और जागरण ही इस व्रत की विशेषता है। इसमें रात्रिभर जागरण एवं शिवाभिषेक का विधान है।

श्री पार्वती जी की जिज्ञासा पर भगवान् शिवजी ने बताया कि फाल्गुन कृष्णपक्ष की चतुर्दशी शिवरात्रि कहलाती है। जो उस दिन उपवास करता है, वह मुझे प्रसन्न कर लेता है। मैं अभिषेक, वस्त्र, धूप, अर्चन तथा पुष्पादि समर्पण से उतना प्रसन्न नहीं होता जितना कि व्रतोपवास से–

फाल्गुने कृष्णपक्षस्य या तिथिः स्याच्चतुर्दशी।
तस्यां या तामसी रात्रिः सोच्यते शिवरात्रिका॥
तत्रोपवासं कुर्वाणः प्रसादयति मां ध्रुवम्।
न स्नानेन न वस्त्रेण न धूपेन न चार्चया।
तुष्या मि न तथा पुष्पैर्यथा तत्रोपवासतः॥

ईशानसंहिता में बताया गया है कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की रात्रि को आदिदेव भगवान् श्रीशिव करोड़ों सूर्यों के समान प्रभा वाले लिंगरूप में प्रकट हुए।

फाल्गुनकृष्णचतुर्दश्यामादिदेवो महानिशि।
शिवलिंगतयोद्भूतः कोटिसूर्यसमप्रभः॥

शिवरात्रि व्रत की वैज्ञानिकता तथा आध्यात्मिकता

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी तिथि में चन्द्रमा सूर्य के समीप होता है। अतः वही समय जीवनरूपी चन्द्रमा का शिवरूपी सूर्य के साथ योग-मिलन होता है। अतः इस चतुर्दशी को शिवपूजा करने से जीव को अभीष्टतम पदार्थ की प्राप्ति होती है। यही शिवरात्रि का रहस्य है।

महाशिवरात्रि का पर्व परमात्मा शिव के दिव्य अवतरण का मङ्गलसूचक है। उनके निराकार से साकाररूप में अवतरण की रात्रि ही महाशिवरात्रि कहलाती है। वे हमें काम, क्रोध, लोभ, मोह, मत्सरादि विकारों से मुक्त कर के परम सुख, शान्ति, ऐश्वर्यादि प्रदान करते हैं।

चार प्रहर की पूजा का विधान

चार प्रहर में चार बार पूजा का विधान है। इसमें शिवजी को पञ्चामृत से स्नान कराकर चन्दन, पुष्प, अक्षत, वस्त्रादि से शृंगार कर आरती करनी चाहिये। रात्रिभर जागरण तथा पञ्चाक्षर-मन्त्र का जप करना चाहिये। रुद्राभिषेक, रुद्राष्टाध्यायी तथा रुद्रीपाठ का भी विधान है।

प्रथम आख्यान

पद्मकल्प के प्रारम्भ में भगवान् ब्रह्मा जब अण्डज, पिण्डज, स्वेदज, उद्भिज्ज एवं देवताओं आदि की सृष्टि कर चुके, एक दिन स्वेच्छा से घूमते हुए क्षीरसागर पहुंचे। उन्होंने देखा भगवान् नारायण शुभ्र, श्वेत सहस्रफणमौलि शेष की शय्या पर शान्त अधलेटे हुए हैं। भूदेवी, श्रीदेवी, श्रीमहालक्ष्मीजी शेषशायी के चरणों को अपने अंक में लिये चरण-सेवा कर रही हैं। गरुड, नन्द, सुनन्द, पार्षद, गन्धर्व, किन्नर आदि विनम्रतया हाथ जोड़े खड़े हैं। यह देख ब्रह्माजी को अति आश्चर्य हुआ। ब्रह्माजी को गर्व हो गया था कि मैं एकमात्र सृष्टि का मूल कारण हूँ और मैं ही सब का स्वामी, नियन्ता तथा पितामह हूँ। फिर यह वैभवमण्डित कौन यहाँ निश्चिन्त सोया है।

श्रीनारायण को अविचल शयन करते हुए देखकर उन्हें क्रोध आ गया। ब्रह्माजी ने समीप जाकर कहा-तुम कौन हो? उठो! देखो, मैं तुम्हारा स्वामी, पिता आया हूँ। शेषशायी ने केवल दृष्टि उठायी और मन्द मुस्कान से बोले-वत्स! तुम्हारा मङ्गल हो। आओ, इस आसन पर बैठो। ब्रह्माजी को और अधिक क्रोध हो आया, झल्लाकर बोले-मैं तुम्हारा रक्षक, जगत् का पितामह हूँ। तुमको मेरा सम्मान करना चाहिये। इस पर भगवान् नारायण ने कहा जगत् मुझमें स्थित है, फिर तुम उसे अपना क्यों कहते हो? तुम मेरे नाभि-कमल से पैदा हुए हो, अतः मेरे पुत्र हो। मैं स्रष्टा, मैं स्वामी-यह विवाद दोनों में होने लगा। श्रीब्रह्माजी ने 'पाशुपत' और श्रीविष्णुजी ने 'माहेश्वर' अस्त्र उठा लिया। दिशाएँ अस्त्रों के तेज से जलने लगीं, सृष्टि में प्रलय की आशंका हो गयी थी। देवगण भागते हुए कैलास पर्वत पर भगवान् विश्वनाथ के पास पहुँचे। अन्तर्यामी भगवान् शिवजी सब समझ गये। देवताओं द्वारा स्तुति करने पर वे बोले-''मैं ब्रह्मा-विष्णु के युद्ध को जानता हूँ। मैं उसे शान्त करूँगा। ऐसा कहकर भगवान् शंकर सहसा दोनों के मध्य में अनादि, अनन्त-ज्योतिर्मय स्तम्भ के रूप में प्रकट हुए।''

शिवलिङ्गतयोद्भूतः कोटिसूर्यसमप्रभः॥

माहेश्वर, पाशुपत दोनों अस्त्र शान्त होकर उसी ज्योतिर्लिंग में लीन हो गये।

यह लिंग निष्कल ब्रह्म, निराकार ब्रह्म का प्रतीक है। श्रीविष्णु और श्रीब्रह्माजी ने उस लिंग (स्तम्भ)-की पूजा अर्चना की। यह लिंग फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को प्रकट हुआ तभी से आजतक लिंग पूजा निरन्तर चली आ रही है। श्रीविष्णु और श्रीब्रह्माजी ने कहा-महाराज! जब हम दोनों लिंग के आदि-अन्त का पता न लगा सके तो आगे मानव आप की पूजा कैसे करेगा? इस पर कृपालु भगवान् शिव द्वादश ज्योतिर्लिङ्ग में विभक्त हो गये। महाशिवरात्रि का यही रहस्य है (ईशानसंहिता)।

द्वितीय आख्यान

वाराणसी के वन में एक भील रहता था। उसका नाम गुरुद्रुह था। उसका कुटुम्ब बड़ा था। वह बलवान् और क्रूर था। अत: प्रतिदिन वन में जाकर मृगों को मारता और वहीं रहकर नाना प्रकार की चोरियाँ करता था। शुभकारक महाशिवरात्रि के दिन उस भील के माता-पिता, पत्नी और बच्चों ने भूख से पीड़ित होकर भोजन की याचना की। वह तुरंत धनुष लेकर मृगों के शिकार के लिये सारे वन में घूमने लगा। दैवयोग से उस दिन कुछ भी शिकार नहीं मिला और सूर्य अस्त हो गया। वह सोचने लगा-अब मैं क्या करूँ? कहाँ जाऊँ? माता-पिता, पत्नी, बच्चों की क्या दशा होगी? कुछ लेकर ही घर जाना चाहिये, यह सोचकर वह व्याध एक जलाशय के समीप पहुँचा कि रात्रि में कोई-न-कोई जीव यहाँ पानी पीने अवश्य आयेगा-उसी को मारकर घर ले जाऊँगा। वह व्याध किनारे पर स्थित बिल्ववृक्ष पर चढ़ गया। पीने के लिये कमर में बँधी तूम्बी में जल भरकर बैठ गया। भूख-प्यास से व्याकुल वह शिकार की चिन्ता में बैठा रहा।

रात्रि के प्रथम प्रहर में एक प्यासी हरिणी वहाँ आयी। उसको देखकर व्याध को अति हर्ष हुआ, तुरंत ही उसका वध करने के लिये उसने अपने धनुष पर एक बाण का संधान किया। ऐसा करते हुए उसके हाथ के धक्के से थोड़ा-सा जल और बिल्वपत्र टूटकर नीचे गिर पड़े। उस वृक्ष के नीचे शिवलिंग विराजमान था। वह जल और बिल्वपत्र शिवलिंग पर गिर पड़ा। उस जल और बिल्वपत्र से प्रथम प्रहर की शिवपूजा सम्पन्न हो गयी। खड़खड़ाहट की ध्वनि से हरिणी ने भय से ऊपर की ओर देखा। व्याध को देखते ही मृत्युभय से व्याकुल हो वह बोली-व्याध! तुम क्या चाहते हो, सच-सच बताओ। व्याध ने कहा-मेरे कुटुम्ब के लोग भूखे हैं, अत: तुमको मारकर उन की भूख मिटाऊँगा। मृगी बोली भील! मेरे मांस से तुमको, तुम्हारे कुटुम्ब को सुख होगा, इस अनर्थकारी शरीर के लिये इससे अधिक महान् पुण्य का कार्य भला और क्या हो सकता है? परंतु इस समय मेरे सब बच्चे आश्रम में मेरी बाट जोह रहे होंगे। मैं उन्हें अपनी बहन को अथवा स्वामी को सौंपकर लौट आऊँगी। मृगी के शपथ खाने पर बड़ी मुश्किल से व्याध ने उसे छोड़ दिया।

द्वितीय प्रहर में उस हरिणी की बहन उसी की राह देखती हुई, ढूँढ़ती हुई जल पीने वहाँ आ गयी। व्याध ने उसे देखकर बाण को तरकश से खींचा। ऐसा करते समय पुन: पहले की भाँति शिवलिंग पर जल-बिल्वपत्र गिर गये। इस प्रकार दूसरे प्रहर की पूजा सम्पन्न हो गयी। मृगी ने पूछा-व्याध! यह क्या करते हो? व्याध ने पूर्ववत् उत्तर दिया-मैं अपने भूखे कुटुम्ब

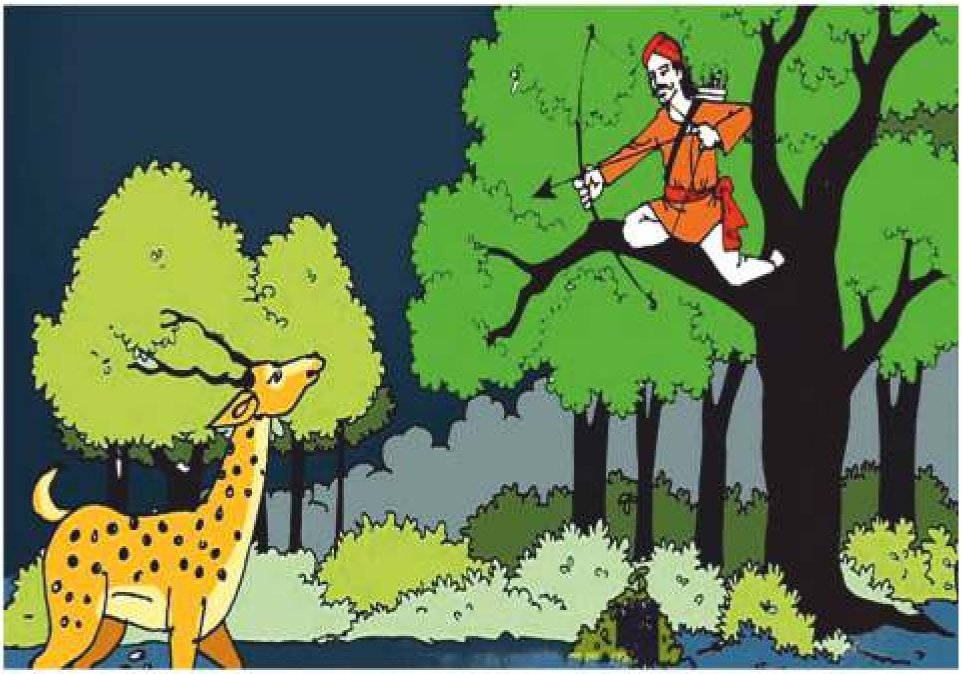

को तृप्त करने के लिये तुझे मारूंगा। मृगी ने कहा-मेरे छोटे-छोटे बच्चे घर में हैं। अत: मैं उन्हें अपने स्वामी को सौंपकर तुम्हारे पास लौट आऊँगी। मैं वचन देती हूँ। व्याध ने उसे भी छोड़ दिया।

व्याध का दूसरा प्रहर भी जागते-जागते बीत गया। इतने में ही एक बड़ा हृष्ट-पुष्ट हिरण मृगी को ढूँढ़ता हुआ आया। व्याध के बाण चढ़ाने पर पुन: कुछ जल-बिल्वपत्र लिंग पर गिरे। अब तीसरे प्रहर की पूजा भी हो गयी। मृग ने आवाज से चौंककर व्याध की ओर देखा और पूछा- क्या करते हो? व्याध ने कहा-तुम्हारा वध करूँगा, हरिण ने कहा-मेरे बच्चे भूखे हैं। मैं बच्चों को उनकी माता को सौंपकर तथा उनको धैर्य बँधाकर शीघ्र ही यहाँ लौट आऊँगा। व्याध बोला-जो-जो यहाँ आये वे सब तुम्हारी ही तरह बातें तथा प्रतिज्ञा कर चले गये, परंतु अभी तक नहीं लौटे। शपथ खाने पर उसने हिरण को भी छोड़ दिया। मृग-मृगी सब अपने स्थान पर मिले। तीनों प्रतिज्ञाबद्ध थे, अत: तीनों जाने के लिये हठ करने लगे। अत: उन्होंने बच्चों को अपने पड़ोसियों को सौंप दिया और तीनों चल दिये। उन्हें जाते देख बच्चे भी भागकर पीछे-पीछे चले आये। उन सबको एक साथ आया देख व्याध को अति हर्ष हुआ। उसने तरकश से बाण खींचा जिससे पुन: जल-बिल्वपत्र शिवलिंग पर गिर पड़े। इस प्रकार चौथे प्रहर की पूजा भी सम्पन्न हो गयी।

रात्रिभर शिकार की चिन्ता में व्याध निर्जल, भोजन रहित जागरण करता रहा। शिवजी का रञ्चमात्र भी चिन्तन नहीं किया। चारों प्रहर की पूजा अनजाने में स्वत: ही हो गयी। उस दिन महाशिवरात्रि थी। जिस के प्रभाव से व्याध के सम्पूर्ण पाप तत्काल भस्म हो गये।

इतने में ही मृग और दोनों मृगियाँ बोल उठे-व्याध शिरोमणे! शीघ्र कृपाकर हमारे शरीरों को सार्थक करो और अपने कुटुम्ब-बच्चों को तृप्त करो। व्याध को बड़ा विस्मय हुआ। ये मृग ज्ञानहीन पशु होने पर भी धन्य हैं, परोपकारी हैं और प्रतिज्ञापालक हैं। मैं मनुष्य होकर भी जीवनभर हिंसा, हत्या और पाप कर अपने कुटुम्ब का पालन करता रहा। मैंने जीव-हत्या कर उदरपूर्ति की, अत: मेरे जीवन को धिक्कार है! धिक्कार है!! व्याध ने बाण को रोक लिया और कहा-श्रेष्ठ मृगों! तुम सब जाओ। तुम्हारा जीवन धन्य है!

व्याध के ऐसा कहने पर तुरंत भगवान् शंकर लिंग से प्रकट हो गये और उसके शरीर को स्पर्श कर प्रेम से कहा वर माँगो। 'मैंने सब कुछ पा लिया'- यह कहते हुए व्याध उनके चरणों में गिर पड़ा। श्रीशिवजी ने प्रसन्न होकर उसका 'गुह' नाम रख दिया और वरदान दिया कि भगवान् राम एक दिन अवश्य ही तुम्हारे घर पधारेंगे और तुम्हारे साथ मित्रता करेंगे। तुम मोक्ष प्राप्त करोगे। वही व्याध शृंगवेरपुर में निषादराज 'गुह' बना, जिसने भगवान् राम का आतिथ्य किया।

वे सब मृग भगवान् शंकर का दर्शन कर मृगयोनि से मुक्त हो गये। शाप मुक्त हो विमान से दिव्य धाम को चले गये। तब से अर्बुद पर्वत पर भगवान् शिव व्याधेश्वर के नाम से प्रसिद्ध हुए। दर्शन-पूजन करने पर वे तत्काल मोक्ष प्रदान करने वाले हैं।

यह महाशिवरात्रि व्रत 'व्रतराज' के नाम से विख्यात है। यह शिवरात्रि यमराज के शासन को मिटाने वाली है और शिवलोक को देने वाली है। शास्त्रोक्त विधि से जो इसका जागरण सहित उपवास करेंगे उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होगी। शिवरात्रि के समान पाप और भय मिटाने वाला दूसरा व्रत नहीं है। इस के करने मात्र से सब पापों का क्षय हो जाता है। **(शिवपुराण)**

होलिकोत्सव–एक वैदिक सोमयज्ञ

हास-परिहास, व्यंग्य-विनोद, मौज-मस्ती और सामाजिक मेल-जोल का प्रतीक लोकप्रिय पर्व होली अथवा होलि का वास्तव में एक वैदिक यज्ञ है, जिसका मूल स्वरूप आज विस्मृत हो गया है। होली के आयोजन के समय समाज में प्रचलित हँसी-ठिठोली, गायन-वादन, चाँचर (हुड़दंग) और कबीर इत्यादि के उद्भव और विकास को समझने के लिये हमें उस वैदिक सोमयज्ञ के स्वरूप को समझना पड़ेगा, जिसका अनुष्ठान इस महापर्व के मूल में निहित है।

वैदिक यज्ञों में सोमयज्ञ सर्वोपरि है। वैदिक काल में प्रचुरता से उपलब्ध सोमलता का रस निचोड़कर उससे जो यज्ञ सम्पन्न किये जाते थे, वे सोमयज्ञ कहे गये हैं। यह सोमलता कालान्तर में लुप्त हो गयी। ब्राह्मणग्रन्थों में इसके अनेक विकल्प दिये गये हैं, जिनमें पूतीक और अर्जुनवृक्ष मुख्य हैं। अर्जुनवृक्ष को हृदय के लिये अत्यन्त शक्तिप्रद माना गया है। आयुर्वेद में इसके छाल की हृदय रोगों के निवारण के संदर्भ में विशेष प्रशंसा की गयी है। महाराष्ट्र में सम्प्रति सोमयागों के अनुष्ठान में राँशेर नामक वनस्पति का प्रयोग किया जाता है। सोमरस इतना शक्तिवर्धक और उल्लास कारक होता था कि उसका पानकर वैदिक ऋषियों को अमरता-जैसी आनन्दानुभूति होती थी- '**अपाम सोमममृता अभूम**' (ऋग्वेद)।

इन सोमयागों के तीन प्रमुख भेद थे-एकाह, अहीन और सत्रयाग। यह वर्गीकरण अनुष्ठान-दिवसों की संख्या के आधार पर है। सत्रयाग का अनुष्ठान पूरे वर्षभर चलता था। उन में प्रमुख रूप से ऋत्विग्गण ही भाग लेते थे और यज्ञ का फल ही दक्षिणा के रूप में मान्य था। गवामयन भी इसी प्रकार का एक सत्रयाग है, जिसका अनुष्ठान 360 दिनों में सम्पन्न होता है। इसका उपान्त्य (अन्तिम दिन से पूर्वका) दिन 'महाव्रत' कहलाता है। 'महाव्रत' में प्राप्य 'महा' शब्द वास्तव में प्रजापति का द्योतक है, जो वैदिक परम्परा में संवत्सर के अधिष्ठाता माने जाते हैं और उन्हीं पर सम्पूर्ण वर्ष की सुख-समृद्धि निर्भर है। 'महाव्रत' के अनुष्ठान का प्रयोजन वस्तुतः इन प्रजापति को प्रसन्न करना है-'**प्रजापतिर्वाव महाँस्तस्यैतद् व्रतमन्नमेव [यन्महाव्रतम्]**' (ताण्ड्य महाब्राह्मण ४।१०।२ तथा सायण-भाष्य)।

'महाव्रत' के अनुष्ठान के दिन वर्षभर यज्ञानुष्ठान में व्यस्त श्रान्त-क्लान्त ऋत्विग्गण अपना मनोविनोद करते थे। इस दिन यज्ञानुष्ठान के साथ कुछ ऐसे आमोद-प्रमोदपूर्ण कृत्य भी किये जाते थे, जिनका प्रयोजन आनन्द और उल्लासमय वातावरण की सृष्टि करना है। होलिकोत्सव इसी महाव्रत की परम्परा का संवाहक है। होली में जलायी जानेवाली आग यज्ञवेदी में निहित अग्नि का प्रतीक है। वैदिक युग में इस यज्ञवेदी के समीप एक उदुम्बरवृक्ष (गूलर)- की टहनी गाड़ी जाती थी, क्योंकि गूलर का फल माधुर्य गुण की दृष्टि से सर्वोपरि माना जाता है। '**हरिश्चन्द्रोपाख्यान**' में कहा गया है कि जो निरन्तर चलता रहता है, कर्म में निरत रहता है, उसे गूलर के स्वादिष्ट फल खाने के लिये मिलते हैं- 'चरन् वै मधु विन्देत चरन्स्वादुमुदुम्बरम्' (ऐतरेय ब्राह्मण)। गूलर का फल इतना मीठा होता है कि पकते ही इसमें कीड़े पड़ने लगते हैं। उदुम्बरवृक्ष की यह टहनी सामगान की मधुमयता की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति करती थी। इसके नीचे बैठे हुए वेदपाठी अपनी-अपनी शाखा के मन्त्रों का पाठ करते थे।

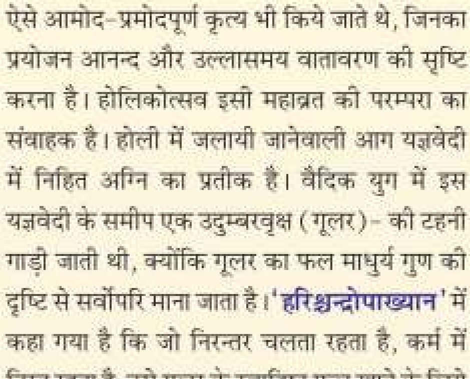

सामवेद के गायकों की चार श्रेणियाँ थीं-उद्गाता, प्रस्तोता, प्रतिहर्ता और सुब्रह्मण्य। पहले ये सामगान के अपने-अपने भाग को गाते थे, फिर सभी मिलकर एक साथ समवेतरूप से गान करते थे। होली में लकड़ियों को चुनने से लगभग दो सप्ताह पूर्व गाड़ी जाने वाली एरण्डवृक्ष की टहनी इसी औदुम्बरी (उदुम्बर की टहनी)- का प्रतीक है। धीरे-धीरे जब उदुम्बरवृक्ष का मिलना कठिन हो गया तो अन्य वृक्षों की टहनियाँ औदुम्बरी के रूप में स्थापित की जाने लगीं। एरण्ड एक ऐसा वृक्ष है, जो सर्वत्र सुलभ माना गया है। संस्कृत में एक कहावत है, जिसके अनुसार जहाँ कोई भी वृक्ष सुलभ न हो, वहाँ एरण्ड को ही वृक्ष मान लेना चाहिये- '**निरस्तपादपे देशे एरण्डोऽपि द्रुमायते।**' उद्गाता तो उदुम्बर काष्ठ से बनी आसन्दी पर ही बैठकर सामगान करता है। सामगाताओं की यह मण्डली महावेदी के विभिन्न स्थानों पर घूम-घूमकर पृथक्-पृथक् सामों का गान करती थीं। सामगान के अतिरिक्त महाव्रत-अनुष्ठान के दिन यज्ञवेदी के चारों ओर, सभी कोणों में दुन्दुभि अर्थात् नगाड़े भी बजाये जाते थे- '**सासु सक्तिषु दुन्दुभयो व्वदन्ति**' (ताण्ड्य ब्राह्मण ५।५।१८)। इस के साथ ही जल से भरे घड़े लिये हुई स्त्रियाँ '**इदम्मधु इदम्मधु**' (यह मधु है, यह मधु है), कहती हुई यज्ञवेदी के चारों ओर नृत्य करती थीं- '**परिकुम्भिन्यो मार्जालीयं यन्ति, इदं मध्विति**' (ताण्ड्य ब्राह्मण ५।६।१५)। ताण्ड्य ब्राह्मण में इसका विशद विवरण उपलब्ध होता है। उस समय वे निम्नलिखित गीत को गाती भी जाती थीं-

गावो हाऽऽरे सुरभय इदम्मधु,
गावो घृतस्य मातर इदम्मधु।

इस नृत्य के समानान्तर अन्य स्त्रियाँ और पुरुष वीणावादन करते थे। उस समय प्रचलित वीणाओं के अनेक प्रकार इस प्रसंग में मिलते हैं। इनमें अपघाटिला, काण्डमयी, पिच्छोदरा, बाण इत्यादि मुख्य वीणाएँ थीं। 'शततन्त्रीका' नाम से विदित होता है कि कुछ वीणाएँ सौ-सौ तारों वाली भी थीं। इन्हीं शततन्त्रीका-जैसी वीणाओं से सन्तूर का विकास हुआ। कल्पसूत्रों में महाव्रत के समय बजायी जाने वाली कुछ अन्य वीणाओं के नाम भी मिलते हैं। ये हैं- अलाबु, वक्रा

(समतन्त्रीका, वेत्रवीणा), कापिशीर्णी, पिशीलवीणा (शूर्पा) इत्यादि। शारदीया वीणा भी होती थी, जिससे आगे चलकर आज के सरोद का विकास हुआ।

होली में दिखने वाली हँसी-ठिठोली का मूल 'अभिगरअपगर-संवाद' में निहित है। भाष्यकारों के अनुसार 'अभिगर' ब्राह्मण का वाचक है और 'अपगर' शूद्र का। ये दोनों एक-दूसरे पर आक्षेप-प्रत्याक्षेप करते हुए हास-परिहास करते थे। इसी क्रम में विभिन्न प्रकार की बोलियाँ बोलते थे, विशेषरूप से ग्राम्य बोलियाँ बोलने का प्रदर्शन किया जाता था-'**सर्वा त्वाची वदन्ति संस्कृताश्च ग्राम्यवाचश्च**' (ताण्ड्य ब्राह्मण ५।५।२० तथा उस पर सायण-भाष्य)।

महाव्रत के ये विधान वर्षभर की एकरसता को दूर कर यज्ञानुष्ठाता ऋत्विजों को स्वस्थ मनोरंजन का वातावरण प्रदान करते थे। यज्ञों की योजना ऋषियों ने मानव-जीवन के समानान्तर की है, जिस के हास-परिहास अभिन्न अंग हैं।

महाव्रत के दिन घर-घर में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट पकवान बनाये जाते थे- '**कुले कुलेऽन्नं क्रियते।**' घर में कोई जब उस दिन पकवानों को बनाये जाने का कारण पूछता था, तब उत्तर दिया जाता था कि यज्ञानुष्ठान करनेवाले इन्हें खायेंगे- '**तद् यत् पृच्छेयु: किमिदं कुर्वन्ति इति इमे यजमाना अन्नमत्स्यन्ति इति ब्रूयु:।**'

लेकिन हास-परिहास और मौज-मस्ती के इस वातावरण में भी सुरक्षा के संदर्भ को ओझल नहीं किया जाता था। राष्ट्ररक्षा के लिये जनमानस को सजग बने रहने की शिक्षा देने के लिये इस अवसर पर यज्ञवेदी के चारों ओर शस्त्रास्त्र और कवचधारी राजपुरुष तथा सैनिक परिक्रमा भी करते रहते थे। तो होली के आयोजन में महाव्रत के इन विधि-विधानों का प्रभाव अद्यावधि निरन्तर परिलक्षित होता है। दोनों के अनुष्ठान का दिन भी एक ही है-फाल्गुनी पूर्णिमा।

प्रारम्भ में उत्सवों और पर्वों का आरम्भ अत्यन्त लघु बिन्दु से होता है, जिसमें निरन्तर विकास होता रहता है। सामाजिक आवश्यकताएँ इन के विकास में विशेष भूमिका निभाती हैं। यही कारण है कि होली जो मूलत: एक वैदिक सोमयज्ञ के अनुष्ठान से आरम्भ हुआ, आगे चलकर परम भागवत प्रह्लाद और उनकी बुआ होलिका के आख्यान से भी जुड़ गया। गवामयन के अन्तर्गत महाव्रत के इस परिवर्धित और उपबंहित पर्व-संस्करण में 'नव-शस्येष्टि' (नयी फसल अनाज का सेवन करने के लिये किया गया यज्ञानुष्ठान) तथा मदनोत्सव अथवा वसन्तोत्सव का समावेश भी इसी क्रम में आगे हो गया।

मानव-जीवन में धर्म, अर्थ और मोक्ष के साथ काम भी एक पुरुषार्थ के रूप में प्रतिष्ठित है। '**कामस्तद ने समवर्तताधि**' कहकर वेदों ने भी इसे स्वीकार किया है। नृत्य-संगीत प्रभृति समस्त कलाएँ, हास-परिहास, व्यंग्य-विनोद तथा आनन्द और उल्लास इसी तृतीय पुरुषार्थ के नानाविध अङ्ग हैं। होलिकोत्सव के रूप में हिन्दू-समाज ने मनोरंजन को जीवन में स्थान देने के लिये तृतीय पुरुषार्थ के स्वस्थ और लोकोपयोगी स्वरूप को धर्माधिष्ठित मान्यता प्रदान की है, जैसा कि गीता में भगवान् श्रीकृष्ण का स्पष्ट कथन है-

धर्माविरुद्धो भूतेषु कामोऽस्मि भरतर्षभ।

हे अर्जुन! मैं प्राणियों में धर्मानुकूल काम-प्रवृत्ति हूँ।

रंगों का त्योहार होली

वसन्तपञ्चमी के आते ही प्रकृति में एक नवीन परिवर्तन आने लगता है। दिन छोटे होते हैं। जाड़ा कम होने लगता है। उधर पतझड़ शुरू हो जाता है। माघ की पूर्णिमा पर होली का डांडा रोप दिया जाता है। आम्रमंजरियों पर भ्रमरावलियाँ मँडराने लगती हैं। वृक्षों में कहीं-कहीं नवीन पत्तों के दर्शन होने लगते हैं। प्रकृति में एक नयी मादकता का अनुभव होने लगता है। इस प्रकार होली पर्व के आते ही एक नवीन रौनक, नवीन उत्साह एवं उमंग की लहर दिखायी देने लगती है।

होली जहाँ एक ओर एक सामाजिक एवं धार्मिक त्योहार है, वहीं यह रंगों का त्योहार भी है। आबालवृद्ध, नर-नारी-सभी इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। यह एक देशव्यापी त्योहार भी है। इसमें वर्ण अथवा जाति-भेद को कोई स्थान नहीं है। इस अवसर पर लकड़ियों तथा कंडों आदि का ढेर लगाकर होलिका पूजन किया जाता है, फिर उसमें आग लगायी जाती है। पूजन के समय निम्न मन्त्र का उच्चारण किया जाता है

असृक्पाभयसंत्रस्तैः कृता त्वं होलि बालिशैः।
अतस्त्वां पूजयिष्यामि भूते भूतिप्रदा भव॥

इस पर्व को नवान्नेष्टि यज्ञपर्व भी कहा जाता है। खेत से नवीन अन्न को यज्ञ में हवन कर के प्रसाद लेने की परम्परा भी है। उस अन्न को होला कहते हैं। इसी से इसका नाम होलिकोत्सव पड़ा।

होलिकोत्सव मनाने के सम्बन्ध में अनेक मत प्रचलित हैं। यहाँ कुछ प्रमुख मतों का उल्लेख किया गया है-

(1) ऐसी मान्यता है कि इस पर्व का सम्बन्ध काम-दहन' से है। भगवान् शंकर ने अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्म कर दिया था। तभी से इस त्योहार का प्रचलन हुआ।

(2) फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से पूर्णिमापर्यन्त आठ दिन होलाष्टक मनाया जाता है। भारत के कई प्रदेशों में होलाष्टक शुरू होने पर एक पेड़ की शाखा काटकर उसमें रंग-बिरंगे कपड़ों के टुकड़े बाँधते हैं। इस शाखा को जमीन में गाड़ दिया जाता है। सभी लोग इसके नीचे होलिकोत्सव मनाते हैं।

(3) यह त्योहार हिरण्यकशिपु की बहन की स्मृति में भी मनाया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि हिरण्यकशिपु की बहन होलिका वरदान के प्रभाव से नित्यप्रति अग्नि-स्नान करती और जलती नहीं थी। हिरण्यकशिपु ने अपनी बहन से प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि-स्नान करने को कहा। उसने समझा था कि ऐसा करने से प्रह्लाद जल जायगा तथा होलिका बच निकलेगी।

हिरण्यकशिपु की बहन ने ऐसा ही किया, होलिका तो जल गयी, किंतु प्रह्लाद जीवित बच गये। तभी से इस त्योहार के मनाने की प्रथा चल पड़ी।

(4) इस दिन आम्रमंजरी तथा चन्दन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है। कहते हैं जो लोग फाल्गुन पूर्णिमा के दिन एकाग्र चित्त से हिंडोले में झूलते हुए श्रीगोविन्द पुरुषोत्तम के दर्शन करते हैं, वे निश्चय ही वैकुण्ठलोक में वास करते हैं।

(5) भविष्यपुराण में कहा गया है कि एक बार नारदजी ने महाराज युधिष्ठिर से कहा-राजन्! फाल्गुन की पूर्णिमा के दिन सब लोगों को अभयदान देना चाहिये, जिससे सम्पूर्ण प्रजा उल्लासपूर्वक हँसे। बालक गाँव के बाहर से लकड़ी-कंडे लाकर ढेर लगायें। होलिका का पूर्ण सामग्री सहित विधिवत् पूजन करें। होलिका दहन करें। ऐसा करने से सारे अनिष्ट दूर हो जाते हैं।

होली एक आनन्दोल्लास का पर्व है। इसमें जहाँ एक ओर उत्साह-उमंग की लहरें हैं, तो वहीं दूसरी ओर कुछ बुराइयाँ भी आ गयी हैं। कुछ लोग इस अवसर पर अबीर, गुलाल के स्थान पर कीचड़, गोबर, मिट्टी आदि भी फेंकते हैं। ऐसा करने से मित्रता के स्थान पर शत्रुता का जन्म होता है। अश्लील एवं गंदे हँसी-मजाक एक-दूसरे के हृदय को चोट पहुँचाते हैं। अतः इन सब का त्याग करना चाहिये।

होली सम्मिलन, मित्रता एवं एकता का पर्व है। इस दिन द्वेषभाव भूलकर सबसे प्रेम और भाईचारे से मिलना चाहिये। एकता, सद्भावना एवं सोल्लास का परिचय देना चाहिये। यही इस पर्व का मूल उद्देश्य एवं संदेश है। ■

शीतलाष्टमी

[चैत्र कृष्णा अष्टमी]

यह व्रत चैत्र कृष्ण अष्टमी या चैत्र मास के प्रथम पक्ष में होली के बाद पड़ने वाले पहले सोमवार अथवा गुरुवार को किया जाता है। इस व्रत के करने से व्रती के कुल में दाह ज्वर, पीतज्वर, विस्फोटक, दुर्गन्धियुक्त फोड़े, नेत्रों के समस्त रोग, शीतला की फुंसियों के चिह्न तथा शीतलाजनित दोष दूर हो जाते हैं। इस व्रत के करने से शीतलादेवी प्रसन्न होती हैं। शीतलादेवी के स्वरूप का 'शीतलास्तोत्र' में इस प्रकार वर्णन किया गया है–

वन्देऽहं शीतलां देवीं रासभस्थां दिगम्बराम्।
मार्जनीकलशोपेतां शूर्पालङ्कृतमस्तकाम्॥

व्रत की विधि–अष्टमीव्रत करने वाले व्रती को पूर्वविद्धा अष्टमी तिथि ग्रहण करनी चाहिये। इस दिन प्रात:काल शीतलजल से स्नानकर निम्नलिखित संकल्प करना चाहिये–

मम गेहे शीतलारोगजनितोपद्रवप्रशमनपूर्वकायु-
रारोग्यैश्वर्याभिवृद्धये शीतलाष्टमीव्रतमहं करिष्ये।

इस व्रत की विशेषता है कि इसमें शीतला देवी को भोग लगाने वाले सभी पदार्थ एक दिन पूर्व ही बना लिये जाते हैं अर्थात् शीतला माता को एक दिन का बासी (शीतल) भोग लगाया जाता है। इसलिये लोक में यह व्रत बसौड़ा के नाम से भी प्रसिद्ध है। नैवेद्य के लिये मेवे, मिठाई, पूआ, पूरी, दालभात, लापसी आदि एक दिन पहले से ही बनाये जाते हैं, जिस दिन व्रत रहता है, उस दिन चूल्हा नहीं जलाया जाता।

इस व्रत में रसोईघर की दीवार पर पाँचों अंगुली घी में डुबोकर छापा लगाया जाता है। उस पर रोली, चावल चढ़ाकर शीतला माता के गीत गाये जाते हैं। सुगन्धित गन्धपुष्पादि से शीतलामाता का पूजन कर **'शीतलास्तोत्र'** का यथासम्भव पाठ भी करना चाहिये तथा शीतलामाता की कहानी भी सुननी चाहिये। रात्रि में दीपक जलाने चाहिये।

एक थाली में भात, रोटी, दही, चीनी, जल का गिलास, रोली, चावल, मूंग की दाल का छिलका, हल्दी, धूपबत्ती तथा मोंठ, बाजरा आदि रखकर घर के सभी सदस्यों को स्पर्श कराकर शीतलामाता के मन्दिर में चढ़ाना चाहिये। इस दिन चौराहे पर भी जल चढ़ाकर पूजन करने का विधान है। फिर मोंठ–बाजरा का वायना निकालकर उस पर रुपया रखकर अपनी सासजी के चरण–स्पर्श कर उन्हें देने की प्रथा है। इसके बाद किसी वृद्धा को भोजन कराकर दक्षिणा देनी चाहिये।

यदि घर–परिवार में शीतलामाता के कुंडारे भरने की प्रथा हो तो एक बड़ा कुंडारा तथा दस छोटे कुंडारे मँगाकर छोटे कुंडारों को बासी व्यंजनों से भरकर बड़े कुंडारे में रख दें। फिर उसकी हल्दी से पूजा कर लें। इसके बाद सभी कुंडारों को शीतला माता के स्थान पर जाकर चढ़ा दें। जाते और आते समय शीतलामाता का गीत भी गाया जाता है।

पुत्रजन्म और विवाह के समय जितने कुंडारे हमेशा भरे जाते हैं उतने और भरने चाहिये।

शीतलामाता की लोककथा और गीत

किसी गाँव में एक औरत रहती थी। वह बसौड़े के दिन शीतलामाता की पूजा करती और ठंडी रोटी खाती थी। उसके गाँव में और कोई भी शीतला माता की पूजा नहीं करता था। एक दिन उस गाँव में आग लग गयी, जिसमें उस औरत की झोंपड़ी छोड़कर बाकी सबकी झोपड़ियाँ जल गयीं, जिससे सबको बड़ा आश्चर्य हुआ। सब लोगों ने उस औरत से इस चमत्कार का कारण पूछा। उस औरत ने कहा कि मैं तो बसौड़े के दिन ठंडी रोटी खाती हूँ और शीतला माता की पूजा करती हूँ, तुम लोग यह काम नहीं करते थे। इससे मेरी झोंपड़ी बच गयी और तुम सब की झोंपड़ियाँ जल गयीं। तबसे बसौड़े के दिन पूरे गाँव में शीतलामाता की पूजा होने लगी। हे शीतलामाता! जैसे आपने उस औरत की रक्षा की, वैसे ही सब की रक्षा करना।

गीत

मेरी माता को चिनिये चौबारौ, दूध–पूत देनी को चिनिये चौबारौ।
कौन ने मैया ईंटें थपाई, और कौन ने घोरौ है गारौ।
श्रीकृष्ण ने मैया ईंटें थपाई, दाऊजी घोरौ है गारौ।
मेरी माता को चिनिये चौबारौ॥

गीत गाते समय श्रीकृष्ण और दाऊजी के स्थान पर अपने परिवार के सदस्यों के नाम भी लिये जाते हैं।

■

।। श्री गणेशाय नमः।।

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के विवाह प्रकोष्ठ के

रजत जयन्ती वर्ष के उपलक्ष में

21वां दो दिवसीय अखिल भारतीय माहेश्वरी युवक-युवती

परिचय सम्मेलन

26-27 मार्च, 2022

आयोजन स्थल : 'उत्सव' जनोपयोगी भवन, सेक्टर-2, विद्याधर नगर, जयपुर-302039

निर्धारित शुल्क

पंजीयन एवं बायोडेटा प्रकाशन (एक स्मारिका सहित) शुल्क	600
आवास व्यवस्था	500
डाक खर्च	100

परिचय स्मारिका विज्ञापन दरें

अंतिम आवरण	41000	स्मारिका का प्रथम पृष्ठ	25000
द्वितीय आवरण	25000	स्मारिका का अंतिम पृष्ठ	25000
तृतीय आवरण	25000	पूर्ण पृष्ठ आर्ट पेपर (रंगीन)	10000
		आधा पृष्ठ आर्ट पेपर (रंगीन)	5000

भुगतान चेक/NEFT द्वारा "SHRI MAHESHWARI SAMAJ, JAIPUR" के नाम से बैंक ऑफ बड़ौदा Bank of Baroda, शाखा त्रिपोलिया बाजार, जयपुर में A/c. No. 12860100013762

IFSC Code : BARB0TRIPOL (पांचवां अक्षर जीरो) के नाम से जारी करें।

परिचय सम्मेलन : जौन संयोजक

नाम	दायित्व	मोबाइल	नाम	दायित्व	मोबाइल
गोपेश भण्डारी	Zone-1	7665460046	हरीश मालू	Zone-4	9829013030
अनुराधा कचोलिया	Zone-1	9468964246	संतोष बजाज	Zone-4	9571322276
श्री नंदन भाला	Zone-2	9314511087	सुनील नोगजा	Zone-5	9414204024
शोभा खटोड़	Zone-2	9351222708	ज्योति हुरकट	Zone-5	9001177555
श्याम सुन्दर मूंदड़ा	Zone-3	8562060001	सुरेश जैथलिया	Zone-6	9828466258
शीला मूंदड़ा	Zone-3	8619130034	अर्चना काबरा	Zone-6	9314501322
			बालकृष्ण जाजू 'बालक' (पूर्व संयोजक)		9829722633

परामर्शक

नाम	मोबाइल
सुमन लढ्ढा	9314501973
राधाकिशन मालपानी	9414059938
मालचन्द बाहेती	9829461340
सत्यनारायण सोमानी	9828018789
सत्यनारायण काबरा (बीमापोपुर)	9829019451
पुरुषोत्तम परवाल	9414409146
विनोद कुमार बिहानी	9829051540
सविता पटवारी	9214053250

निवेदक

प्रदीप बाहेती अध्यक्ष	**गोपाल लाल मालपानी** महामंत्री	**नथमल मालू** चेयरमैन-विवाह प्रकोष्ठ 98870-21162	**रमेश चन्द परवाल** वाइस चेयरमैन-विवाह प्रकोष्ठ 93148-70491	**विष्णु लढ्ढा** मंत्री विवाह प्रकोष्ठ 98290-17635
देवेन्द्र झंवर संयोजक-परिचय सम्मेलन 98290-54556	**रामदास कोठ्यारी** कोषाध्यक्ष, परिचय सम्मेलन 98280-13838	**अम्बिका प्रसाद बियानी** प्रबंध संपादक 94132-08992	**श्यामरतन पटवारी** विज्ञापन संयोजक 98291-06996	**घनश्याम भण्डारी** कार्यालय समन्वयक 94149-91967

परिचय सम्मेलन हेतु online फार्म website : www.jaipurmaheshwari.com पर उपलब्ध है। भुगतान करने पर screen shot 8619530451 पर भेजें।

।। श्री गणेशाय नमः ।।

कार्यालय : 86195-30451

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

माहेश्वरी इंटरनेशनल मैरिज ब्यूरो, जयपुर MIMB

प्रशासनिक कार्यालय : तृतीय मंजिल, एमपीएस इंटरनेशनल स्कूल, तिलक नगर, जयपुर–302004

E-mail : mimbjpr@gmail.com • Website : www.jaipurmaheshwari.com

21वां अ.भा. माहेश्वरी विवाह योग्य युवक–युवती परिचय सम्मेलन

सम्मेलन स्थल : 'उत्सव' जनोपयोगी भवन, सेक्टर–2, विद्याधर नगर, जयपुर–302039

शनिवार, 26 मार्च व रविवार 27 मार्च 2022

प्रत्याशी की फोटो चिपकायें

प्रत्याशी का नाम ____________________

पिताजी/माताजी का नाम ____________________

प्रत्याशी की सांख/गोत्र ____________ ननिहाल की सांख/गोत्र ____________

जन्म दिनांक D D M M Y Y Y Y जन्म समय [ ] जन्म स्थान [ ]

शिक्षा एवं योग्यता ____________________

प्रत्याशी का व्यवसाय / सर्विस ____________ पैकेज ____________

लम्बाई : फीट [ ] इंच [ ] रंग ....

पिता/अभिभावक का व्यवसाय ____________________

मोबाइल नं. : ____________________

पत्राचार का पता : ____________________

____

शहर ____________ राज्य ____________ पिनकोड ____________

ई–मेल. (capital letter) ____________________

मोबाइल नं. ____________ व्हाट्सएप नं. ____________

नानाजी/मामाजी का नाम व स्थान ____________ मोबाइल नं. ____________

पत्रिका मांगलिक है – [ ] मांगलिक नहीं है [ ] मिलाना जरूरी है [ ] मिलाना जरूरी नहीं है [ ]

भाई [ ] बहिन [ ]

विशिष्ट प्रत्याशी– विधवा / विधुर / तलाकशुदा / दिव्यांग / अधिकआयु (35 वर्ष से ऊपर)

दिनांक .... हस्ताक्षर संकलनकर्ता .... हस्ताक्षर प्रत्याशी अभिभावक ....

रसीद क्रमांक :

स्मारिका क्रमांक :

धूमधाम से मनाया गया माहेश्वरी समाज का 97वाँ वार्षिकोत्सव

विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं व समाजसेवियों का हुआ सम्मान

श्री माहेश्वरी समाज जयपुर का 97वाँ वार्षिकोत्सव सोमवार को माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल, विद्याधर नगर में मनाया गया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं व दानदाताओं का सम्मान किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ श्री विजय मंत्री एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रमुख समाज सेवी डॉ. (सीए) कैलाशचंद परवाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज, जयपुर के अध्यक्ष प्रदीप बाहेती ने सबको वार्षिकोत्सव की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज हम जो 97वां वार्षिकोत्सव मना रहे हैं, उसका श्रेय हमारे पूर्वजों को जाता है। उन्होंने उस समय जिस दूरदृष्टि का परिचय दिया, उसी का परिणाम है कि आज शिक्षा के साथ-साथ चिकित्सा के क्षेत्र में हम निरन्तर आगे बढ़ते जा रहे है। शिक्षा और संस्कारों का जो बीज उन्होंने उस समय बोया था, वह आज वट वृक्ष बन चुका है। बाहेती ने कहा कि उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

समाज के महामंत्री गोपाललाल मालपानी ने कहा कि समाज के कार्यों में हमे जिस तरह सबका सहयोग मिलता रहा है, उसी के बल पर हम आगे बढ़ सके हैं। समारोह के मुख्य अतिथि विजय मंत्री ने समाज के लोगों की समर्पण व सेवा भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें इस भावना को बनाए रखना है। विशिष्ट अतिथि डॉ. (सीए) कैलाश चंद परवाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी अतिथियों का परिचय दिया गया। इस अवसर पर प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं, विशेष उपलब्धियां प्राप्त करने वाले समाज जन और देह-दानियों के परिजनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्री खगेश चितलांगिया द्वारा किया गया। इस पावन मौके पर समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे साथ ही इस कार्यक्रम को समाज के सभी लोगों के लिए ऑनलाइन देखने की व्यवस्था भी की गई।

नवदम्पत्तियों को सुखमय जीवन की शुभकामनाएँ

दिनांक	वर	वर के पिता/माता	वधू	वधू के पिता/माता
15.01.2022	अभिषेक	श्री नरेन्द्र कलंत्री	कृति	श्री कैलाश जी
23.01.2022	मुकेश	श्री बृजमोहन बजाज	निक्की (दीपिका)	श्री सुभाष चन्द जी
23.01.2022	अमन	श्री दिनेश कुमार तेला	अर्निका	श्री शिवरतन राठी
23.01.2022	निखिल	श्री दीपक तोतला	उर्वशी	श्री दीपक बियानी
23.01.2022	अंकित	श्री कृष्ण कचौलिया	मोनाली	श्री विष्णुदत्त जी
27.01.2022	हिमांशु	श्रीमती सुधा बाहेती	पूजा	श्री संदेश कुमार जाजू
27.01.2022	आदर्श	श्री दिनेश सोढानी	जया	श्री नीरज माहेश्वरी
29.01.2022	रवि	श्री बजरंग लाल लढ्ढा	अपूर्वा	श्री अरुण कुमार मालपानी
05.02.2022	तरूण	श्री दिनेश कुमार सोढानी	प्रीति	श्री कृष्णा प्रसाद गुप्ता (कांकाणी)
05.02.2022	वेणुगोपाल	श्रीमती निर्मला बांगड़	नंदिता	श्री नन्दकिशोर अजमेरा
05.02.2022	रजत	श्री राजेश कचौलिया	दीक्षा	श्री बालकिशन मूंदड़ा
05.02.2022	गजेन्द्र	श्रीमती लक्ष्मी देवी साबू	अंजली	श्री कृष्णा प्रसाद गुप्ता (कांकाणी)
06.02.2022	प्रतीक	श्री पुष्पेन्द्र जागेटिया	नेहा	श्री अनिल कुमार जी
07.02.2022	नमन	श्री सुरेन्द्र लखोटिया	स्वाति	श्री चन्द्रप्रकाश शारदा
07.02.2022	हर्ष	श्री हरि परवाल	देविना	श्री अमित बजाज
10.02.2022	विशाल	श्री गोपाल कृष्ण भाला	विन्नी	श्री विकास झंवर
10.02.2022	शैलेन्द्र	श्री सुरेन्द्र सारड़ा	निकिता	श्री पुरुषोत्तम माहेश्वरी (खटोड़)
10.02.2022	मुकेश (लोकेश)	श्री दामोदर प्रसाद अजमेरा	प्राची (जेली)	श्री श्रवण कुमार गुप्ता (काबरा)
11.02.2022	अभिनव	श्री देवेन जी	शिवानी	श्री राजकुमार लखोटिया
13.02.2022	अभिनव	श्री सुशील मालू	साक्षी	श्री सुशील भट्टड़

समाज का 97वाँ वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

सम्मानित प्रतिभाएँ

श्रीबल्लभ मारू

सुपुत्र श्री रामजी दास मारू राज. सरकार द्वारा जिला स्तर पर ट्रोफी, बैडमिन्टन, 70+ डबल्स बैडमिन्टन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

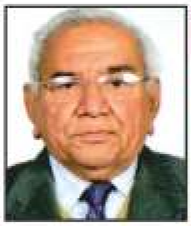

लेखराज लद्दड़

सुपुत्र स्व.श्री मथुरा दास प्रागचन्द माहेश्वरी को अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन का वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त होने पर

राघव बूब

सुपुत्र श्री प्रमोद कुमार बूब ने For securing 2nd position in Grand Finale of CA Student's Debate Competetion National Level organized by SSEB of ICAI

डॉ. आरती माहेश्वरी

धर्मपत्नी श्री अतुल माहेश्वरी (खटोड़) NAHF द्वारा ''भारत भूषण अवार्ड'' से सम्मानित होने पर

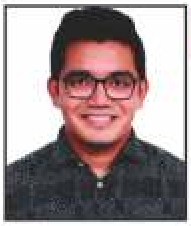

शुभम माहेश्वरी

सुपुत्र श्री बृजेश कुमार माहेश्वरी को 2021 फोर्ब्स की 30 अंडर 30 लिस्ट एशिया में चयनित होने व MNIT, Jaipur से ''यंग अचीवर अवार्ड'' प्राप्त करने पर

शीतल चितलांग्या

सुपुत्री श्री श्याम सुन्दर चितलांग्या 'चाइल्डहुड मैमोरी' शीर्षक चित्र को राजस्थान ललित कला अकादमी, जयपुर द्वारा उत्कृष्ट कलाकृति का पुरस्कार प्राप्त होने पर

रोहित मालपानी

सुपुत्र श्री विजय कुमार मालपानी ने कार्मिक मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस पुरस्कार में रजत पदक प्राप्त होने पर

गौरी माहेश्वरी

सुपुत्री श्री गौरव माहेश्वरी ने कैलीग्राफी एवं बडिंग डिजाइनिंग में उत्कृष्टता हेतु प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2022 (आर्ट एण्ड कल्चर) से सम्मानित होने पर।

हर्ष लखोटिया

सुपुत्र श्री पराग माहेश्वरी ने Dr. B.R. अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर से यंत्रीकरण एवं नियंत्रण अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक में प्रथम स्थान (स्वर्ण पदक) प्राप्त करने पर

डॉ. नेहा साबू

धर्मपत्नी श्री पंकज अजमेरा ने 'Effect of Integrated Approach of Yoga Therapy on Carotid Intima Media Thickness, Heart Rate Variability & Biochemical Parameters in Prediabetes" विषय पर PH.D. करने एवं International Scientist Award प्राप्त करने पर

डॉ. निधि राठी

सुपुत्री श्री गोपाल राठी ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (IISc) से मेथेमेटिक्स में पीएच.डी. एण्ड एम.एस. की उपाधि प्राप्त करने पर

श्रीमती रुचिका एस. राठी

धर्मपत्नी श्री संदीप राठी ने MNIT,Jaipur से ''इंडियन बायकेमरेलिज्म डिकोडिंग फर्स्ट फॉर्मेटिव डिकेड (1952–1962) विषय पर पीएच.डी. उपाधि प्राप्त करने पर

डॉ. तृप्ति देव शारदा

धर्मपत्नी श्री समर्थ सत्य शारदा ने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा ''नैरेटिव लाइवस एंड सोशल रोल्स : दी चारनस ऑफ वेस्टर्न राजस्थान, 1600–1800' विषय पर डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने पर

डॉ. हरिकिशन सोमानी

सुपुत्र श्री सीताराम सोमानी को श्री महर्षि कॉलेज ऑफ वैदिक एस्ट्रोलॉजी से 'वास्तु इन रेजिडेंशियल एण्ड इन्डस्ट्रीयल एरिया में पीएच.डी.(गोल्ड मेडलिस्ट)करने पर'

रत्ना माहेश्वरी

धर्मपत्नी श्री अनिमेष माहेश्वरी ने राज. विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर परीक्षा (एम.ए. –फ्रेंच) में यूनिवर्सिटी की योग्यता सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर

डॉ.समन्वय सोनी

सुपुत्र डॉ. अटल सोनी ने University topper in MS (Oto-Rhino-Laryngology) KLE University, Belagavi

राघव बियानी

सुपुत्र श्री रामगोपाल बियानी ने CA Final Exam प्रथम प्रयास में AIR-25 से उत्तीर्ण करने पर

निंकुज माहेश्वरी

सुपुत्र श्री दीनदयाल माहेश्वरी ने अ.भा. स्तर पर सी.ए. फाइनल परीक्षा में 42वीं रैंक प्राप्त करने पर

पंकज माहेश्वरी

सुपुत्र श्रीमती भारती माहेश्वरी ने प्रथम प्रयास में CA परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 45वीं रैंक प्राप्त करने पर

जय परवाल

सुपुत्र श्री चन्द्र प्रकाश परवाल ने CA Final परीक्षा में All India Rank-46 प्राप्त करने पर

नमन माहेश्वरी

सुपुत्र श्री गोपाल माहेश्वरी ने जनवरी, 2021 में आयोजित Charterred Accountant Intermidiate Exam में AIR-2 प्राप्त करने पर

वैभव खटोड़

सुपुत्र श्री राजेश खटोड़ ने CA Intermediate Examination में AIR-32th रैंक प्राप्त करने पर।

विकास कलाणी

सुपुत्र श्री जुगलकिशोर कलाणी ने अ.भा. स्तर पर ICAI की सी.ए. इन्टरमिडिएट परीक्षा में 44वीं रैंक प्राप्त करने पर

मोहित कुमार लखोटिया

सुपुत्र श्री सुरेश कुमार लखोटिया ने CMA Final Exam में All India 2nd Rank प्राप्त करने पर

चित्रा सोनी

सुपुत्री श्री अशोक कुमार सोनी ने CMA Intermediate Exam. में AIR-38 प्राप्त करने पर।

हर्षित परवाल

सुपुत्र श्री महेश कुमार परवाल ने ICSI द्वारा आयोजित CS परीक्षा में AIR-17 वीं रैंक प्राप्त करने पर।

राधिका तोतला

सुपुत्री श्री पंकज तोतला ने MNIT, Jaipur से MBA की परीक्षा में यूनिवर्सिटी में टॉप कर गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर।

अंशुल माहेश्वरी

सुपुत्री श्री प्रकाश चंद्र काबरा ने IIM, Sambalpur से छात्रवृत्ति प्राप्त करते हुए द्वितीय रैंक (गोल्ड मेडल) एवं ICSI Signature Award प्राप्त करने पर।

वैदिक परवाल

सुपुत्र श्री विरेन्द्र परवाल ने CBSE सीनियर सैकण्डरी परीक्षा में 98.40% अंक प्राप्त करने पर

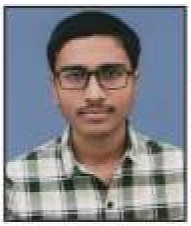

मनन काबरा

सुपुत्र श्री रामअवतार काबरा ने CBSE सीनियर सैकण्डरी परीक्षा में 97.60% अंक प्राप्त करने पर

पूर्वी खटोड़

सुपुत्री श्री राजेश कुमार खटोड़ ने CBSE सीनियर सैकण्डरी परीक्षा में 97.60% अंक प्राप्त करने पर

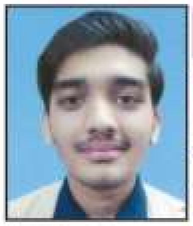

वैभव झंवर

सुपुत्र श्री राजेश चन्द्र गुप्ता (झंवर) ने CBSE सीनियर सैकण्डरी परीक्षा में 97.40% अंक प्राप्त करने पर

रिद्धिमा बियानी

सुपुत्री श्री देवी प्रसाद बियानी ने CBSE सीनियर सैकण्डरी परीक्षा में 96.6% अंक प्राप्त करने पर

हिमांशी साबू

सुपुत्री श्री सतीश साबू ने CBSE सीनियर सैकण्डरी परीक्षा में 96.16% अंक प्राप्त करने पर

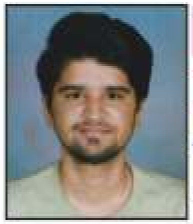

अनुज सोमानी

सुपुत्र श्री नवलकिशोर सोमानी ने CBSE सीनियर सैकंडरी परीक्षा में 96.00% अंक प्राप्त करने पर

आयुषी बियानी

सुपुत्री श्री मनोज कुमार बियानी ने RBSE सीनियर सैकंडरी परीक्षा में 96.00% अंक प्राप्त करने पर

हर्ष भराड़िया

सुपुत्र श्री हरिश कुमार भराड़िया ने CBSE सैकण्डरी परीक्षा में 98.16% अंक प्राप्त करने पर

पोषक खटोड़

सुपुत्र श्री राजेश कुमार खटोड़ ने CBSE सीनियर सैकण्डरी परीक्षा में 97.80% अंक प्राप्त करने पर।

रिषभ राठी

सुपुत्र श्री तरूण राठी ने CBSE सैकण्डरी परीक्षा में 96.00% अंक प्राप्त करने पर।

पिहु तोषनीवाल

सुपुत्री श्री अमरनाथ तोषनीवाल ने CBSE सैकण्डरी परीक्षा में 97.80% अंक प्राप्त करने पर।

चाँदनी झंवर

सुपुत्री श्री कृष्ण किशोर झंवर ने CBSE सीनियर सैकंडरी परीक्षा में 96.33% अंक प्राप्त करने पर।

दीपिका चाण्डक

सुपुत्री श्री महेंद्र कुमार चांडक ने RBSE सैकण्डरी परीक्षा में 96.67% अंक प्राप्त करने पर।

महेश सेवा कोष में स्थापित कोषों से मेधावी छात्र/छात्राओं का सम्मान

श्री केदारनाथ एवं श्रीमती सरोज माहेश्वरी (चाण्डक) सेवा कोष

(श्री संजय माहेश्वरी)

क्र.सं.	छात्र/छात्रा		पिता का नाम	कक्षा	विद्यालय का नाम	प्रतिशत	राशि
1	अदिति माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री बलराम माहेश्वरी	12वीं (वाणिज्य)	एमबीवीए चौड़ा रास्ता	93.00	1500
2	चेतना माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री पिताम्बर पनपालिया	10 वीं	एमबीवीए चौड़ा रास्ता	97.00	1500

श्री गिर्राजदास एवं शकुन्तला देवी मालपानी सेवा कोष

(श्री अश्विनी मालपानी)

क्र.सं.	छात्र/छात्रा		पिता का नाम	कक्षा	विद्यालय का नाम	प्रतिशत	राशि
1	वैभव झंवर	सुपुत्र	श्री राजेश चन्द्र गुप्ता	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस, प्रताप नगर	97.40	1500
2	जान्हवी गट्टानी	सुपुत्री	श्री मनोज गट्टानी	10 वीं	एमपीएस, प्रताप नगर	93.80	1500

श्रीमती शोभा जैसलमेरिया स्कॉलरशिप कोष

(डॉ. डी. एन., श्री आशीष, श्री मनीष जैसलमेरिया)

क्र.सं.	छात्र/छात्रा		पिता का नाम	कक्षा	विद्यालय का नाम	प्रतिशत	राशि
1	पूर्वी खटोड	सुपुत्री	श्री राजेश कुमार खटोड	12वीं (वाणिज्य)	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	97.60	1500
2	देवांश परवाल	सुपुत्र	श्री चन्द्रप्रकाश परवाल	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस, जवाहर नगर	97.40	1500
3	माधव झंवर	सुपुत्र	श्री सुरेश कुमार झंवर	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस, जवाहर नगर	96.80	1500
4	तनिष्का काबरा	सुपुत्री	श्री महेश कुमार काबरा	12वीं (विज्ञान)	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	96.80	1500

स्व. श्री गुलाबचन्द जी एवं कस्तुरी देवी मांधना (सांभर वाले) सेवा कोष

(श्री अनुज मांधना)

क्र.सं.	छात्र/छात्रा		पिता का नाम	कक्षा	विद्यालय का नाम	प्रतिशत	राशि
1	राधिका माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री गिर्राज मूंदडा	12वीं (वाणिज्य)	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	96.60	1100
2	अनुष्का दम्मानी	सुपुत्री	श्री राजेश कुमार दम्मानी	12वीं (वाणिज्य)	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	96.40	1100
3	प्रज्ञा तोषनीवाल	सुपुत्री	श्री मनमोहन तोषनीवाल	12वीं (कला–HUM)	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	96.40	1100
4	तनिषा माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री दिनेश माहेश्वरी	10 वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	98.00	1100
5	महक तापडिया	सुपुत्री	श्री रजनीश तापडिया	10 वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	97.20	1100

श्रीमती मनफुल देवी, विमला देवी, गोरधन दास लढ्ढा सेवा कोष

(श्री मुकेश लढ्ढा)

क्र.सं.	छात्र/छात्रा		पिता का नाम	कक्षा	विद्यालय का नाम	प्रतिशत	राशि
1	खुशी माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री दिलीप कुमार मालपानी	12वीं (विज्ञान)	एमपीएस, प्रताप नगर	96.60	1100
2	जय जाखोटिया	सुपुत्र	श्री नवल जाखोटिया	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस, जवाहर नगर	96.60	1100
3	पोषक खटोड	सुपुत्र	श्री राजेश कुमार खटोड	10 वीं	एमपीएस, जवाहर नगर	97.40	1100

स्व. श्री गेन्दीलाल, रूपनारायण एवं नर्बदा देवी मालपानी स्मृति कोष
(श्री चन्द्रशेखर मालपानी)

1	राजश्री राठी	सुपुत्री	श्री चांद रतन राठी	10 वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	96.40	1100
2	सौम्या झंवर	सुपुत्री	श्री विनीत झंवर	10 वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	94.00	1100

श्री सत्यनारायण व विमला देवी तोतला मानव सेवा कोष
(श्री सत्यनारायण तोतला)

1	खुशबू माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री चन्द्र प्रकाश माहेश्वरी	12वीं (विज्ञान)	एमएचएस, तिलक नगर	93.40	1001
2	प्रांजल माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री प्रकाश माहेश्वरी	10 वीं	एमएचएस, तिलक नगर	90.00	1001

स्व. श्रीमती ललितादेवी धर्मपत्नि स्व. श्री हरिकृष्ण कोठारी सेवा कोष
(श्री गोविन्दकृष्ण कोठारी)

1	अनुज सोमानी	सुपुत्र	श्री नवलकिशोर सोमानी	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	96.00	1001
2	रिषभ बजाज	सुपुत्र	श्री जुगलकिशोर बजाज	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	95.40	1001
3	रिद्धम सोमानी	सुपुत्र	श्री मनीष सोमानी	10 वीं	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	96.00	1001
4	आनन्द बियानी	सुपुत्र	श्री आशीष बियानी	10 वीं	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	95.60	1001

श्रीमती रामजानकी देवी सीताराम पटवारी सेवा कोष
(श्री गोपीकृष्ण, श्री जयकृष्ण माहेश्वरी)

1	किशोरी माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री योगेश माहेश्वरी	12वीं (वाणिज्य)	एमबीवीए चौड़ा रास्ता	90.00	1000
2	सुमीत जाखोटिया	सुपुत्र	श्री पवन कुमार जाखोटिया	12वीं (वाणिज्य)	एमएचएस, तिलक नगर	90.80	1000

श्री रामगोपाल, कमला देवी जाखोटिया स्मृति कोष
(श्री चन्द्रशेखर मालपानी)

1	कृपा माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री विनोद माहेश्वरी	12वीं (कला–HUM)	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	95.20	1000
2	तनुश्री खटोड	सुपुत्री	श्री महेश खटोड	10वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	94.00	1000

श्रीमती मोहनीदेवी एवं जगन्नाथ भाला स्मृति स्कोलरशिप कोष
(श्री पूनमचन्द भाला)

1	कार्तिक तोतला	सुपुत्र	श्री कृष्ण कुमार तोतला	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस, जवाहर नगर	95.60	1000
3	देवयुक्ता करवा	सुपुत्री	श्री संदीप करवा	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस, जवाहर नगर	95.60	1000
4	अर्पिता तोषनीवाल	सुपुत्री	श्री संजय कुमार तोषनीवाल	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस, प्रताप नगर	95.40	1000
5	कुशाल माहेश्वरी	सुपुत्र	श्री मनीष माहेश्वरी	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस, जवाहर नगर	95.00	1000

श्री जगन्नाथ भाला एवं मोहिनी देवी भाला स्कॉलरशिप स्मृति कोष
(श्री हरकचन्द, श्री पूनमचन्द भाला)

1	चाँदनी झंवर	सुपुत्री	श्री कृष्ण किशोर झंवर	10 वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	95.80	1000
2	पुलकित माहेश्वरी	सुपुत्र	श्री हेमचन्द आगीवाल	10 वीं	एमपीएस, जवाहर नगर	95.60	1000
3	रिषभ राठी	सुपुत्र	श्री तरूण राठी	10 वीं	एमपीएस, जवाहर नगर	95.40	1000
4	काव्य गट्टानी	सुपुत्र	श्री ओमप्रकाश गट्टानी	10 वीं	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	95.20	1000
5	आर्यन माहेश्वरी	सुपुत्र	श्री अशोक कुमार दरगड	10 वीं	एमपीएस, जवाहर नगर	95.00	1000

श्रीमती शारदा साबू धर्मपत्नि श्री प्रकाश चन्द्र साबू सेवा कोष
(श्री प्रकाश चन्द्र साबू)

1	अदिति बियानी	सुपुत्री	श्री आशीष बियानी	12वीं (कला–HUM)	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	95.00	1000
2	आंचल माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री राजेश कुमार लढ्ढा	12वी (विज्ञान)	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	95.00	1000
3	परिधि बांगड	सुपुत्री	श्री नीरज कुमार माहेश्वरी	10 वीं	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	95.00	1000
4	सोम्या साबू	सुपुत्री	श्री कृष्ण कुमार साबू	10 वीं	एमपीएस, जवाहर नगर	94.80	1000
5	सौम्यता कचोलिया	सुपुत्री	श्री सुनील कचोलिया	10 वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	94.40	1000

श्रीमती कमला देवी रामरतन कचौलिया स्कॉलरशिप स्मृति कोष
(श्री राजेन्द्र जी कचौलिया)

1	राघव माहेश्वरी	सुपुत्र	श्री अजय माहेश्वरी	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस, जवाहर नगर	94.60	1000
2	निधिपा झंवर	सुपुत्री	श्री गोपाल झंवर	12वीं (विज्ञान)	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	94.60	1000
3	मृदुल सोमानी	सुपुत्र	श्री राकेश कुमार सोमानी	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	94.60	1000
4	अक्षत माहेश्वरी	सुपुत्र	श्री कृष्ण गोपाल माहेश्वरी	10 वीं	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	95.00	1000
5	राघव करनानी	सुपुत्र	श्री संजय करनानी	10 वीं	एमपीएस, जवाहर नगर	94.80	1000

श्रीमती सोहनी देवी लोहिया धर्मपत्नी श्री प्रहलाद राय लोहिया 'बगरू वाले' सेवा कोष

(श्री बृजेश)

1	दिव्या माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री सतीश माहेश्वरी	10 वीं	एमबीवीए चौड़ा रास्ता	88.00	1000
2	लविश माहेश्वरी	सुपुत्र	श्री नवरतन माहेश्वरी	10 वीं	एमएचएस, तिलक नगर	85.00	1000

डॉ. मदनलाल झंवर एण्ड निर्मला झंवर छात्रवृत्ति कोष

(डॉ. मदनलाल झंवर)

1	तनीषा झंवर	सुपुत्री	श्री अशोक झंवर	12वीं (वाणिज्य)	एमबीवीए चौड़ा रास्ता	86.60	1000
2	हर्ष मालपानी	सुपुत्र	श्री दिनेश कुमार मालपानी	12वीं (वाणिज्य)	एमएचएस, तिलक नगर	82.80	1000

श्रीमती भौंरी देवी, मोहन लाल साबू सेवा कोष

(श्री गोविन्ददास फोफलिया)

1	अदिति माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री दीपक कचोलिया	12वीं (वाणिज्य)	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	94.80	1000
2	विधि जाजू	सुपुत्री	श्री दीपक जाजू	12वीं (विज्ञान)	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	94.20	1000
3	वंशिका बाहेती	सुपुत्री	श्री बालकृष्ण बाहेती	12वीं (वाणिज्य)	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	93.60	1000

श्री बंशीधर ज्ञानदेवी माहेश्वरी कृष्ण कुमार, संजय तोतला सेवा कोष

(श्री बंशीधर, श्री संजय तोतला)

1	तिलक पेडीवाल	सुपुत्र	श्री आशीष पेडीवाल	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस, जवाहर नगर	94.00	1000
2	दिव्या माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री अनिल माहेश्वरी	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस इन्ट., तिलक नगर	93.80	1000
3	पुलकित माहेश्वरी	सुपुत्र	श्री दीनदयाल माहेश्वरी	10 वीं	एमपीएस, जवाहर नगर	94.20	1000

जानकी देवी शिवबल्लभ मान्धना सेवा कोष, 'सांभरलेक'

(श्री कैलाश चन्द्र, श्री रमेश चन्द्र मांधना)

1	अनुभा माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री विक्रम माहेश्वरी	10 वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	94.00	1000

स्व. श्री रामगोपाल, श्रीमती ज्ञानदेवी, राजकुमार व राकेश गट्टानी शिक्षा कोष

(श्री राजकुमार/राकेश जी गट्टानी)

1	अनुराग मालानी	सुपुत्र	श्री प्रकाश मालानी	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस, जवाहर नगर	93.40	1000
2	नन्दनी माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री बालकिशन माहेश्वरी	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस, प्रताप नगर	93.20	1000
3	विभोर मालू	सुपुत्र	श्री रमेश चन्द्र मालू	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस, जवाहर नगर	93.20	1000
4	वंशिका परवाल	सुपुत्री	श्री कमल परवाल	12वीं (वाणिज्य)	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	93.20	1000
5	शान मूंदडा	सुपुत्री	श्री योगेश मूंदडा	12वीं (वाणिज्य)	एमपीएस, जवाहर नगर	93.00	1000
6	सौम्या जाजू	सुपुत्री	श्री प्रमोद जाजू	10वीं	एमजीपीएस, विद्याधर नगर	93.80	1000

स्व. श्रीमती गुलाब बाई व स्व. हरिनारायण जी तामड़ी स्मृति सेवा कोष

(श्री गोपाल तामड़ी हांगकांग प्रवासी श्री मनीष तामड़ी)

1	हेमा शिखा माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री दीपक कुमार माहेश्वरी	12वीं (वाणिज्य)	एमबीवीए चौड़ा रास्ता	83.60	1000
2	मितिका माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री प्रदीप माहेश्वरी	10 वीं	एमपीएस, कालवाड़ रोड़	92.00	1000

श्रीमती सूरज देवी धर्मपत्नि श्री गोविन्द दास जी जाजू के पुत्र श्री फूलकिशन जी जाजू एवं पुत्रवधु श्रीमती रामप्यारी देवी जाजू स्मृति कोष

(श्री रामकिशन जाजू)

1	आंचल माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री कृष्ण कन्हैया माहेश्वरी	12वीं (वाणिज्य)	एमबीवीए चौड़ा रास्ता	78.80	1000
2	दीक्षा माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री बष्जमोहन माहेश्वरी	12वीं (वाणिज्य)	एमबीवीए चौड़ा रास्ता	78.80	1000
3	हर्षित माहेश्वरी	सुपुत्र	श्री दीपक माहेश्वरी	12वीं (वाणिज्य)	एमएचएस, तिलक नगर	74.80	1000
4	सलोनी माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री राजेन्द्र माहेश्वरी	10 वीं	एमबीवीए चौड़ा रास्ता	81.83	1000
5	दिव्यांश माहेश्वरी	सुपुत्र	श्री संजय माहेश्वरी	10 वीं	एमएचएस, तिलक नगर	81.83	1000
6	पार्थ परवाल	सुपुत्र	श्री लालचंद परवाल	10 वीं	एमएचएस, तिलक नगर	81.00	1000
7	नकुल माहेश्वरी	सुपुत्र	श्री नीरज माहेश्वरी	10 वीं	एमएचएस, तिलक नगर	81.00	1000
8	मानसी माहेश्वरी	सुपुत्री	श्री गुलशन माहेश्वरी	10 वीं	एमएचएस, तिलक नगर	78.00	1000

भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह में पधारने हेतु सादर आमंत्रण

वैशाली नगर में 40 × 40 साईज के भूखण्ड का भूमि पूजन 4 मार्च को

भामाशाह श्री सत्यनारायण-डॉ. आशा हिंगड़ द्वारा श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर को वैशाली नगर में 40 × 40 का भूखण्ड (कीमत लगभग 1.25 करोड़ रु.) निःशुल्क प्रदत्त किया गया है। **इसके प्रेरणास्त्रोत श्री निर्मल दरगड़ एवं श्री किशन डागा (डागा बीज वाले) रहें।** इस भूखण्ड पर भूमि पूजन कार्यक्रम 4 मार्च 2022 को प्रातः 9:15 बजे होगा।

इस भूखण्ड पर पहुंचने के लिए बसें mhs, तिलक नगर एवं mgps, विद्याधर नगर से 4 मार्च को प्रातः 8 बजे रवाना होगी।

कार्यक्रम स्थल पर स्वल्पाहार अवश्य ग्रहण करें।

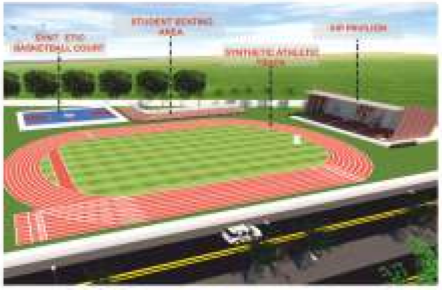

'एकलव्य' स्पोर्ट्स एरिना बगरू का लोकार्पण 13 मार्च को

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, बगरू प्रांगण में एकलव्य स्पोर्ट्स एरिना का लोकार्पण 13 मार्च को प्रातः 10:30 बजे होगा।

बगरू स्थित एमपीएस स्कूल पहुंचने के लिए बसें 13 मार्च को प्रातः 9:30 बजे एमएचएस, तिलक नगर एवं एमजीपीएस, विद्याधर नगर से रवाना होंगी।

लोकार्पण समारोह में लंच हेतु सादर आमंत्रित हैं।

'कौटिल्य' ऑडिटोरियम, कालवाड़ का लोकार्पण 27 मार्च को

कालवाड़ रोड़ स्थित एमपीएस स्कूल परिसर में नवनिर्मित कौटिल्य ऑडिटोरियम का लोकार्पण 27 मार्च को प्रातः 11 बजे होगा।

यहाँ पहुंचने के लिए बसें 27 मार्च को प्रातः 10 बजे तिलक नगर एमएचएस एवं एमजीपीएस, विद्याधर नगर से रवाना होंगी।

कृपया लोकार्पण के अवसर पर लंच अवश्य ग्रहण करें।

विशेष जानकारी हेतु सम्पर्क करें

- श्री अशोक फलोड़, विद्यालय सचिव, एमएचएस, तिलक नगर, मो. 9829013321
- श्री मुरारी लाल बिड़ला, विद्यालय सचिव, एमजीपीएस, विद्याधर नगर, मो. 98290-54202

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर, श्री माहेश्वरी महिला परिषद् एवं श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में

होली स्नेह मिलन

चंग-ढफ-धमाल

सोमवार, 14 मार्च, 2022 (सायं 5.30 से)

स्थान : माहेश्वरी उच्च माध्यमिक विद्यालय, तिलक नगर, जयपुर

आप सादर आमंत्रित हैं

सुनील नोगजा
कार्यक्रम संयोजक

श्रीमती संगीत चांडक
संयोजक-माहेश्वरी महिला परिषद

अभिषेक मालपानी (हरमाड़ा)
संयोजक- माहेश्वरी नवयुवक मण्डल

LOOKING FOR END-TO-END BUILDING MATERIAL SOLUTIONS? LOOK NO FURTHER.

Aquaproof, one of India's most respected brands, is all you need for your building material solutions. Backed by experts who have a great track record of success, Aquaproof brings you a wide range of products. From Tile Care and Building Repair to Paint, Putty and lots more, each one of their products is enriched with in-depth research and development. Aquaproof's building material solutions are not only cost-effective and environment-friendly, but also define new industry standards.

Dr. B. L. Maheshwari
Founder & Managing Director

AQUAPROOF®
Quality Building Material Solutions

SINCE 2002
IN INDIAN MARKET

SCAN YOUR QR CODE HERE

AN ISO:9001:2015 CERTIFIED COMPANY
Aquaproof Construction Chemicals (I) Pvt. Ltd. | Aquaproof Building Solutions Pvt. Ltd.
601, Corporate Arena, Off Aarey Piramal Cross Rd, Goregaon West, Mumbai, Maharashtra 400104.
022 – 28782493/95 | info@aquaproofindia.com | www.aquaproofindia.com | /aquaproofindia

श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेंटर के कलेक्शन सेंटर का निवारू रोड़ पर शुभारंभ

माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेंटर, विद्याधर नगर के निर्देशन में एक कलेक्शन सेंटर का शुभारंभ 24 जनवरी 2022 को निवारू रोड पर सेंट एन्सेल्म स्कूल के सामने किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ आशीष मालपानी एवम विशिष्ट अतिथि डॉ बृजलता डागा भूतड़ा रहे। कलेक्शन सेंटर के समन्वयक श्री बालकृष्ण जाजू 'बालक' एवम संयोजक अमित कुमार मून्दड़ा को बनाया गया।

इस कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष प्रदीप बाहेती, महामंत्री गोपाल लाल मालपानी, चिकित्सा सचिव दामोदर फलोड, सतीश सारड़ा, मालचंद बाहेती, विष्णु लढ्ढा, श्याम सुंदर तोतला, मनोज बिड़ला, गिर्राज राठी, गौरव जाजू, अमित मालपानी, संदीप साबू, चेतन बाहेती, प्रवीण परवाल, स्थानीय पार्षद अर्चना शर्मा एवं निवारू रोड के अन्य गणमान्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महेश सेवा निधि प्रन्यास की स्थापना

अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा सभी प्रदेशों में ट्रस्ट बनाने की योजना के अन्तर्गत पूर्वोत्तर राजस्थान महेश सेवा निधि प्रन्यास की स्थापना महेश नवमी के अवसर पर की गई है। प्रन्यास के अध्यक्ष श्री श्रीकिशन अजमेरा के अनुसार न्यास में परिरक्षक सदस्य, संरक्षक सदस्य, संजीवक सदस्य, संयोजक सदस्य सहित साधारण सदस्य बनाए जाएंगे।

मंत्री श्री रामस्वरूप जाजू ने बताया कि जयपुर, दौसा, अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर, सीकर एवं झुंझुनूं जिले में शिक्षा-छात्रवृत्ति, विधवा सहायता, परित्यक्ता महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें स्वावलम्बी बनाने का प्रयत्न किया जाएगा। साथ ही अनाथ, दिव्यांग वृद्धों को मासिक आर्थिक सहायता भी दी जाएगी।

सेवा निधि प्रन्यास के कोषाध्यक्ष श्री रमेश परवाल के अनुसार प्रन्यास में विविध श्रेणियों में सदस्य बनायेंगे। कार्यसमिति में 25 सदस्य चुने जाएंगे। 5 मार्च 2022 तक बने सदस्य आगामी चुनाव प्रक्रिया में सम्मिलित होंगे।

सम्पर्क सूत्र :

महेश कुमार होलानी	कन्हैयालाल छापरवाल	कमल कुमार खटोड़
94140-39372	98292-77283	98291-28335

श्री सुनील नोगजा संयोजक मनोनीत

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर, श्री माहेश्वरी महिला परिषद एवं श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल के संयुक्त तत्वाधान में आगामी 14 मार्च, 2022 को आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह के लिए सर्वसम्मति से श्री सुनील नोगजा को संयोजक मनोनीत किया गया है।

'प्राइड ऑफ माहेश्वरी' अवार्ड का पोस्टर विमोचन

आगामी अप्रेल माह में होने वाले प्राइड ऑफ माहेश्वरी अवार्ड का विधिवत पोस्टर विमोचन समाज कार्यालय में समाज अध्यक्ष प्रदीप बाहेती एवं महामंत्री गोपाल लाल मालपानी द्वारा किया गया। इस अवसर पर संयोजिका मधुलिका मूँधड़ा सहित अवार्ड समिति के सदस्य जगदीश चन्द्र तोषनीवाल, कुसुम जाजू, प्रभा सिंघी, चन्द्र मोहन शारदा, दिनेश मालपानी, संदीप झंवर, सुनीता पेडिवाल, अनिल भूतड़ा एवं खगेश चितलांग्या उपस्थित रहे।

'प्राइड ऑफ माहेश्वरी' अवार्ड के लिए प्रविष्टियाँ आमंत्रित

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा एक ओर पहल के अंतर्गत आगामी अप्रेल, 2022 में राज्य स्तर पर कला, संस्कृति व साहित्य, व्यापार-उद्यम, समाज-सेवा, खेलकूद एवं आध्यात्म क्षेत्रों में राजस्थान के विशिष्ट प्रतिभावान चयनित माहेश्वरी बन्धुओं को '**प्राइड ऑफ माहेश्वरी**' अवार्ड दिये जाएँगे।

अब तक जयपुर की प्रतिभाओं का सम्मान करने कि परम्परा रही हैं लेकिन इस वर्ष से सम्पूर्ण राजस्थान के माहेश्वरी परिवारों में विभिन्न क्षेत्रों में छुपी हुई विशिष्ट प्रतिभाओं को प्राइड ऑफ माहेश्वरी अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। चयन 40 वर्ष से कम एवं 40 से अधिक दोनों आयु वर्गों में होगा ।

चयन हेतु पात्रता

1. वर्तमान में राजस्थान में निवास कर रहे माहेश्वरी महिला एवं पुरुष ही पात्र होंगे।
2. चयन 40 वर्ष से कम एवं 40 वर्ष से अधिक दोनों आयु वर्गों में किया जायेगा।
3. राजस्थान के किसी भी माहेश्वरी संगठन द्वारा भेजी गई प्रविष्टियाँ ही चयन के लिये पात्र होंगी ।
4. उपरोक्त 5 क्षेत्रों के दोनों आयु वर्गों में ज्यूरी द्वारा सर्वश्रेष्ठ चयन को 1-1 अवार्ड दिया जाएगा ।
5. राजस्थान के किसी भी माहेश्वरी संगठन द्वारा उपरोक्त सभी 5 क्षेत्रों के दोनों आयु वर्गों में अधिकतम 3-3 प्रविष्टियाँ ही मान्य होगी ।
6. प्रविष्टियों के लिये आवेदन फार्म के प्रारूप की फोटोकापी काम में ली जा सकेगी।
7. सम्बन्धित क्षेत्रों में अर्जित उपलब्धियों का विस्तृत विवरण व प्रमाण पत्र की स्वयं द्वारा प्रमाणित फोटोकॉपी एवं आवेदन फार्म सम्बन्धित माहेश्वरी संगठन द्वारा सत्यापन सहित भिजवानी होगी।
8. ज्यूरी द्वारा निर्णय ही सर्वमान्य होगा।
9. प्रविष्याँ राजस्थान के विभिन्न शहरों के माहेश्वरी संगठनों के माध्यम से 21 मार्च, 2022 के पूर्व ही भेजी जा सकेगी।

कृपया आवेदन फार्म में नाम, आयु, मोबाइल, फोटो, पता, स्वयं का संक्षिप्त परिचय व विशिष्ट क्षेत्र में पात्रता का विस्तृत विवरण निम्न पते पर कूरियर द्वारा भेजें अथवा ई-मेल से भेजें ।

प्रविष्टियाँ भेजने का पता : महामंत्री, श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर, थर्ड फ्लोर, समाज कार्यालय, एम.पी.एस. तिलक नगर, जयपुर - 302004

Email : shrimaheshwarisamaj.jaipur@gmail.com

महाशिवरात्रि एवं होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

स्नेहलता साबू M : 9828785881

राजनैतिक दायित्व
- वार्ड अध्यक्ष (2004-2009)
- मंडल अध्यक्ष (2009-2015)
- पूर्व जिला महामंत्री

सामाजिक दायित्व
- सचिव- पैरेंट्स वेल्फेयर सोसायटी
- सचिव- मोक्षधाम समिति, सेक्टर 10, विधाधर नगर जयपुर

श्री माहेश्वरी महिला परिषद
- सचिव (2019-2022)
- संयुक्त सचिव (2013-2015)
- सचिव- (2015-2018)

डॉ. देवेन्द्र लखोटिया

MS (Ortho), DNB (Ortho), MNAMS (Ortho)
Bone, Joint & Spine Specialist
Ex. AIIMS, New Delhi
Fellow Joint Replacement (KUMC, Seoul, Korea)

डॉ. अम्बिका झंवर लखोटिया

MBBS, DNB (OBS & GYNAE), FMAS
Obstetrician, Gynaecologist & Laparoscopic surgeon

Hitarth Clinic ...for humanity

For Queries :
9958560438
7340513640

90/120, Sector-9, Ajay Marg, Near Kali Mata Mandir, Pratap Nagar, Jaipur-302033

कृष्णाधाम

1. श्री अनिल कुमार प्रसाद मोदानी (नरैना निवासी) अहमदाबाद ने आश्रम को 51000/-(इक्यावन हजार) रुपए भेंट किये। **प्रेरक :** श्री राधाबल्लभ अजमेरा (कोषाध्यक्ष समाज)।
2. श्री जुगल किशोर सारदा (रेनवाल वाले) मुंबई निवासी ने आश्रम को 50000/- (पचास हजार) रुपए भेंट किये।
3. श्री शंकर लाल सुपुत्र स्व. श्री छगन लाल सोमानी ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में आश्रमवासियों को लंच हेतु सहयोग किया। **प्रेरक :** श्री सुनील सोमानी (सोमानी इंटरनेशनल स्कूल)।
4. श्री दिनेश परवाल सुपुत्र स्व. श्री आनंदी लाल परवाल ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में आश्रम को 8 किलो खाद्य सामग्री भेंट की। **सहयोग :** श्रीमती चन्द्रिका परवाल एवं माधव परवाल।
5. श्रीमती उषा जाखोटिया धर्मपत्नी श्री बजरंग जाखोटिया (भूतपूर्व अध्यक्ष श्री महेश्वरी समाज, जयपुर) ने आश्रम के प्रत्येक निवासी को 400 ग्राम उच्च क्वलिटी की अंजीर भेंट की। **प्रेरक :** श्री ब्रजेश मोदानी।
6. श्रीमती मधु धर्मपत्नी श्री चन्द्र मोहन कासट ने अपनी शादी की सालगिरह पर आश्रम को लंच हेतु सहयोग किया।
7. श्री भगवान सहाय सुपुत्र स्व. श्री रामनारायण भुराडिया ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में आश्रमवासियों को नाश्ते के लिए सहयोग किया। **सहयोग :** श्री दिनेश भुराडिया।
8. श्री हरक चंद, पूनमचन्द भाला (मंत्री, महिला सेवा कोष) ने आश्रम में लंच हेतु सहयोग दिया।
9. श्रीमती तेजश्री परवाल धर्मपत्नी स्व. श्री ओम प्रकाश परवाल ने आश्रमवासियों को लंच हेतु सहयोग दिया। **सहयोग :** श्री विकास परवाल।
10. श्रीमती शोभा धर्मपत्नी श्री विजय मालानी ने अपनी शादी की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आश्रम को लगभग 8000/- (आठ हजार रुपए) की खाद्य सामाग्री भेंट की। **प्रेरक :** श्री रामावतार आगीवाल- मंत्री, राज. पूर्वोत्तर प्रा. मा. सभा।
11. श्री कृष्णमोहन मूंदड़ा, निवासी- वेंकटशेवर काम्प्लेक्स, विद्याधर नगर ने आश्रम को 28 आसन उच्च क्वालिटी के भेंट किये।
12. श्रीमती किरण धर्मपत्नी स्व. श्री हंसराज बाहेती ने आश्रम को पोहा एवं सूजी (एक माह हेतु) भेंट किये।

सभी दानदाताओं एवं सहयोगियों का आभार एवं अभिनन्दन।

मालचंद बाहेती, वरिष्ठजन आवास एवं कल्याण मंत्री, 9829461340

'सर्वधर्म मोक्षधाम चांदपोल' के जीर्णोद्धार हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने पर आभार...

उपरोक्त प्रकल्प के लिए दानदाताओं से प्राप्त राशि का विवरण मासिक पत्रिका के सितम्बर से दिसम्बर, 2021 एवं जनवरी, 2022 के अंक में प्रकाशित किया गया था। इसके बाद निम्न दानदाताओं से आर्थिक सहयोग और प्राप्त हुआ है जिसके लिए अंतर्मन से हार्दिक आभार एवं अभिनंदन...

नाम	राशि
श्री गौरीशंकर आगीवाल	2,00,000
श्रीमती सुशीला माहेश्वरी धर्मपत्नी स्व. श्री सत्येंद्र कुमार माहेश्वरी (रामसर वाले)	1,11,000
श्री बजरंग लाल, महावीर प्रसाद तापड़िया, सुप्रीम इंडस्ट्रीज लि. द्वारा संपूर्ण सेनेट्री का सामान कीमत रु.	16,46,567

आपके द्वारा दी गई सहयोग राशि आयकर अधिनियम की धारा 80 जी में छूट के लिए मान्य होगी।

उपरोक्त योजना की लागत लगभग 2.50 करोड़ रूपये होगी अतः इस पुनीत कार्य में अधिक से अधिक सहयोग राशि देकर भागीदार बनें।

प्रमोद हुरकट
(चेयरमैन अर्थ)
मो. नं. 9413841762

चुनड़ी मनोरथ, फागोत्सव एवं कंडवारा 12-13 मार्च को

श्री माहेश्वरी महिला परिषद्, जयपुर द्वारा गिरिराज जी एवं मथुरा में 12-13 मार्च 2022 को गिरिराज पूजन, फागोत्सव, चुनड़ी मनोरथ एवं कंडवारा का भव्य आयोजन स्वजातीय बंधुओं के लिए किया जा रहा है। परिषद अध्यक्ष रजनी माहेश्वरी ने जानकारी दी कि 2017 के बाद इस वर्ष आयोजित हो रहे चुनड़ी मनोरथ के मुख्य यजमान श्रीमती कृष्णा जी, श्री किशन राठी होंगे। 12 मार्च को गिरिराज जी में गोविंदकुंड पर गिरिराज पर्वत पूजन के यजमान श्री नटवर गोपाल, सुनील मालपानी तथा श्री श्रीजी बाबा मंदिर में आयोजित फागोत्सव के प्रायोजक श्रीमती चंदाजी, श्री केदार मल भाला होंगे। फागोत्सव में सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री गोविंद माहेश्वरी (ऐलेन, कोटा) एवं साथियों के सुमधुर स्वरों में आनंद रस बरसेगा। 13 मार्च को प्रातः मथुरा में विश्राम घाट पर चुनरी मनोरथ में यमुना श्रृंगार के यजमान श्रीमती रश्मि-श्री राजेश काबरा तथा 'भजनांजलि' के प्रायोजक श्रीमती ज्योति-श्री नरेश अजमेरा होंगे। सायंकाल जतीपुरा में मुखारविंद पर कंडवारा मनोरथ के यजमान श्रीमती ऊषा-श्री जुगल जी कोठ्यारी होंगे। चुनड़ी मनोरथ हेतु 20 यजमान भी बनाए गए हैं। परिषद सचिव स्नेहलता साबू ने बताया कि चुनड़ी मनोरथ महोत्सव में सम्मिलित होने के इच्छुक माहेश्वरी बहनें व बंधु (अधिकतम संख्या 400) 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर 3000 प्रति व्यक्ति सहयोग राशि के साथ 28 फरवरी तक अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

संपर्क सूत्र : **अध्यक्ष**-रजनी माहेश्वरी (9828410711), **सचिव**- स्नेहलता साबू (9828785881), **उपाध्यक्ष**-राजेश्वरी परवाल (9314018992), **कोषाध्यक्ष**-अल्पना शारदा (9314011656), **संगठन-प्रचार मंत्री**-शशि बिजय लखोटिया (9314248403), **संयोजक**- इन्द्रा अजमेरा (9929871189), शांता झंवर (9468991777), **समन्वयक** -नम्रता नोवाल (9829028464), **सदस्य** - अनीता परवाल (9828334451)

MIDAS™
THAI SPA

Feel the Magic Touch

Relax and Allow your senses to be enlivened by the ancient healing art of massage.

D-235 A, Hanuman Nagar, Amrapali Marg, Near Kotak Mahindra Bank
Vaishali Nagar, Jaipur-302021 (Raj.)
Ph.: 0141-5106663 • M.: + 91-98281 88021
Website : www.midasthaispa.com
E-mail : jaipurmidasthaispa@hotmail.com

/midasthaispa /midasthaispa

Special Discount
50%Discount for Maheshwari Ladies
and 25% Discount for Gent's

COME AND SEEK HARMONY

Inspired by ancient Indian healing wisdom, Midas believes that a spa unfolds a holistic path of life that opens out channels to nurture ones' life force. Midas Spas embrace a deep understanding of mind, body and spirit : their individual needs and interdependence.

Utmost in relaxation and pampering, we invite you to explore indulge, Our beautiful spa inspired by the distinctive look of Thailand, Full range of therapeutic massage treatments, and you'll be able your favorites for a truly relaxing experience. Also the spa is full time of world-class products, in keeping with the indulge spa focus on nature.

विज्ञापन

BIHANI ORTHO-SPINE CLINIC

"Regain Your Bone, Joints & Spine Health"

G-33-34, Vijay Laxmi Tower, Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Sector-6, Jaipur

Fellowship in Spine Surgery :
• Switzerland • Germany • Andhra Pradesh

Exp. 8 Years

Dr. Mohit Bihani
Consultant -
Orthopedic & Spine Surgeon
MBBS, DNB (Ortho.) Chandigarh,
MNAMS (New Delhi)
Clinic Timing : 4pm to 7pm

MANGLAMPLUS MEDICITY
Your health our priority
Department of
Orthopaedic & Spine Surgery
Shipra Path Mansarovar
Timing : 10am to 2pm

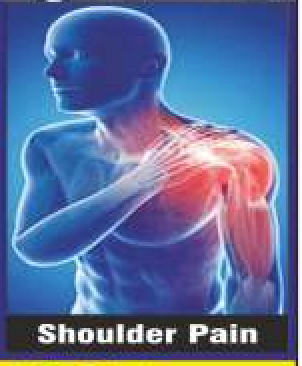

+91-9950082342, 9664265165

हार्दिक बधाई

सीए फाइनल में ऑल इंडिया में 29वीं रैंक

रक्षित बियानी सुपुत्र श्री महेश बियानी द्वारा सीए फाइनल परीक्षा में ऑल इंडिया में 29वीं रैंक प्राप्त करने पर करने पर हार्दिक बधाई।

सीए निकिता माहेश्वरी पत्नी श्री अमित लाहोटी (पुणे) सुपुत्री श्री योगेश एवं श्रीमती निर्मला मणिहार, जयपुर द्वारा जीएसटी पर एक पुस्तक प्रकाशित की जिसका हाल ही में मुम्बई में लोकार्पण हुआ है। यह पुस्तक जीएसटी ऑडिट एवं आंकलन के लिए तैयारी करने के तरीके बताने का प्रयास है।

युवराज बाहेती को 2.1 करोड़ रु. की स्कॉलरशिप

युवराज माहेश्वरी (सुपौत्र श्री आर.के. बाहेती) का स्टैंडफर्ड यूनिवर्सिटी में चयन होने पर यूनिवर्सिटी की तरफ से चार वर्ष के लिए 2.1 करोड़ रु. की स्कॉलरशिप दी जायेगी।

रेवांश माहेश्वरी

आनंद आभा राठी के पौत्र, अंशुल आस्था माहेश्वरी के छह वर्षीय पुत्र रेवांश माहेश्वरी ने श्रीमद्‌भगवद्‌गीता के अठारह अध्यायों का शुद्ध कण्ठस्थीकरण कर गीता परिवार द्वारा आयोजित परीक्षा में पूर्ण अंक प्राप्त कर 'गीताव्रती' बने।

आकांक्षा सोमानी सुपुत्री श्री नवल किशोर सोमानी द्वारा सीए. फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण करने पर बधाई।

श्री रमेश चंद जाखोटिया का सम्मान

समाज की जनगणना का कार्य समयावधि में पूर्ण करने के उपलक्ष में समाज के संगठन मंत्री श्री रमेश चंद जाखोटिया को सूर्यसप्तमी के अवसर पर समाज द्वारा आयोजित 97वें वार्षिक उत्सव पर समाज संरक्षक श्री बिहारी लाल साबू, समाज अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, पूर्व अध्यक्ष श्री बालकिशन सोमानी एवं उपाध्यक्ष (वित्त) श्री नथमल मालू ने साफा पहनाकर सम्मानित किया।

जनगणना संबंधित संशोधन

माह जनवरी, 22 की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 41 पर 'श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर का जनगणना कार्य पूर्ण' शीर्षक खबर की अंतिम पंक्ति 'उस चौकड़ी में मतदान का अधिकार होगा' के स्थान पर **'उस जोन की सभी चौकड़ियों में मतदान करने का अधिकार होगा'** पढ़ें।

राजश्री चितलांगिया का सम्मान

कलकत्ता में चाण्डक परिवार द्वारा 7 से 13 फरवरी तक आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दौरान श्री माहेश्वरी महिला मण्डल, रीसड़ा द्वारा श्रीमती राजश्री चितलांगिया (बल्लभी राज राजेश्वरी) का जन-जन के मध्य भक्ति ज्ञान प्रकाश के माध्यम से दया, मैत्री, करुणा आदि सद्‌गुणों के विकास हेतु महत्वपूर्ण सेवा कार्य करने पर सम्मान किया गया।

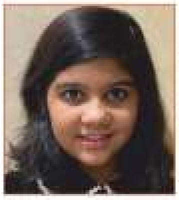

प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाली गौरी माहेश्वरी सर्वश्रेष्ठ कैलीग्राफर

24 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्त करने वालों में 13 वर्षीय छात्रा गौरी माहेश्वरी भी शामिल हैं। कैलीग्राफी के क्षेत्र में गौरी ने देश-दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। कैलीग्राफी का सुंदर और आकर्षक लिखावट से है। दुनिया में अब इसे एक कला के रूप में अपनाया जा रहा है। कंप्यूटर पर भले ही विभिन्न डिजाइनों के शब्द हों, लेकिन कम्प्यूटर के मुकाबले हाथ से लिखावट का अपना ही महत्व है। गौरी को सुंदर लिखावट का शुरू से ही शौक रहा है। राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए गौरी का चयन इसलिए भी हुआ कि मात्र 13 वर्ष की उम्र में वह कैलीग्राफी की सफल टीचर है। आज देश दुनिया में 15 सौ से ज्यादा युवाओं ने गौरी से कैलीग्राफी सीखी है।

देहदानियों के परिवारजनों का आभार

श्री गणेश जी एवं समस्त झंवर परिवार

स्व. श्री सीताराम झंवर

श्री कृष्ण कुमार जी, विनोद जी एवं समस्त परवाल परिवार

स्व. श्री हंसराज परवाल

श्री रितेश कुमार जी शारदा एवं समस्त शारदा परिवार

स्व. श्री राधेश्याम शारदा

श्री सुशील जी माहेश्वरी (भूतड़ा)

स्व. श्री झामनदास पनपालिया

जरूरतमंद माहेश्वरी परिवार
कृपया ध्यान दें :-

1. क्या आप अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सदस्य हैं? यदि नहीं, तो आप महासभा का एप ABMM SAMPARK डाउनलोड करके महासभा के सदस्य बनें।
2. क्या आपके परिवार की वार्षिक आमदनी 3 लाख रुपये तक है? यदि हाँ, तो आप महासभा की विभिन्न कल्याणीकारी योजनाओं से सहायता/सहयोग प्राप्त कर सकते हैं-

प्रमुख कल्याणकारी योजनाएँ –

1. व्यापार प्रारम्भ करने अथवा बढ़ोतरी हेतु
2. शिक्षा छात्रवृत्ति
3. उच्च शिक्षा हेतु बैंक लोन पर ब्याज भुगतान में सहयोग
4. आकस्मिक आपदा सहायता
5. चिकित्सा सहायता
6. महिला सशक्तिकरण हेतु सहयोग
   एवं बहुत कुछ

विस्तृत जानकारी हेतु

महासभा की वेबसाइट
www.maheshwarimahasabha.org
देखें तथा सहयोग हेतु सम्पर्क सूत्र :-

1. कैलाश सोनी, जयपुर
संयुक्त मंत्री (पश्चिमांचल)
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा
94140-52337

2. रामअवतार आगीवाल
प्रदेश मंत्री
पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा
94133-41614

3. सुरेन्द्र बजाज
जिला मंत्री
जयपुर जिला माहेश्वरी सभा
98290-26427

विज्ञापन

पाठक-पाती

जयपुर माहेश्वरी पत्रिका का जनवरी, 2022 का अंक 'हर्बल विशेषांक' आमुख पृष्ठ पर छपी तस्वीर नि:संदेह आधुनिक समय के युवाओं को आकर्षण करने का भी उत्तम प्रयास है।

कोरोना काल ने इसकी महत्ता 100 गुणा बढ़ा दी है। आज तो एलोपेथी चिकित्सकों के यहाँ भी हर्बल उपयोग की सलाह दी जा रही है।

समाज इस प्रकार के विभिन्न विषयों पर आलेख देकर नई दिशा प्रदान कर रहा है। ज्ञानवर्द्धक, जनोपयोगी विषयों के चयन के लिए मेरा सभी संबंधित सदस्यों, संपादक मंडल को साधुवाद, धन्यवाद।

आवरण पृष्ठ समसामयिक पत्रिकाओं के समान मनमोहक एवं ध्यान आकर्षण का सुन्दर चित्रण। कोटिश: धन्यवाद सभी सहयोगियों को।

रमेश माहेश्वरी (भराड़िया)
9, शिव कॉलोनी, रामनगर, सोडाला, जयपुर

Archit Maheshwari
PHOTOGRAPHY

Contact For
Wedding , Pre Wedding , Fashion , Maternity Shoot
Corporate , Birthday Parties & All Kind of Photography

Get Special Offers

E-mail Id
architmaheshwari8100@gmail.com
Contact no. 7357900535

Admissions Open 2022-2023

mps

Sanskriti
Pre Primary School

Journey towards a bright future

Governed by The Education Committee of The Maheshwari Samaj (Society), Jaipur

ECMS 1936

Swimming Pool

Mini Auditorium

World Class Infrastructure (New Building) Jai Singh Highway

ADMISSION CRITERIA

(as on 01-04-2022)

Level 1 (Caterpillar)
2½-3½ Years

Level 2 (Cocoon)
3½-4½ Years

Level 3 (Butterfly)
4½-5½ Years

- Air-Conditioned Campus
- Spacious & Well Ventilated Classrooms
- Landscaped Garden & Soft Play Area
- Theme Visual Classrooms
- Dance and Theatre Room
- Music and Yoga Room
- Art & Craft Creative Zone
- Sanskar Smart Room
- Interactive Corridors
- Readers Hub
- Role Play Zone
- Mini Cricket Pitch
- Skating Ring

Assured admission in any of the branches of MPS after passing from **MPS Sanskriti**

Highlights

- Technology Based Learning
- Skilled Educators
- Montessori Methodology
- Multiple Playrooms
- Loving Atmosphere
- Safe & Secure Environment

For any query: 0141-2203340, +917414020004
Email :- mpssanskritibp@gmail.com, mps.sanskriti@ecmsjaipur.com
Website:- www.mpssankriti.com
Address : - C-1/1 Sawai Jai Singh Highway, Banipark, Jaipur-302 016

Helpline: 74140-20004 (24/7)

आरोग्य हेतु सुंदरकांड पाठ का आयोजन

शीतकालीन अवकाश के बाद नववर्ष में कॉलेज खुलने के पहले ही दिन कॉलेज में मंगलकामना एवं आरोग्यवर्धन हेतु सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इको क्लब की संयोजिका डॉ. अनीता शर्मा ने सर्वप्रथम जन कल्याण और आरोग्य के लिए सूक्ष्म यज्ञ किया। तत्पश्चात म्युजिक क्लब की डायरेक्टर डॉ. पूजा शर्मा एवं ह्यूमैनिटीज विभाग की हेड डॉ. अनुपमा शेखावत के मधुर स्वर में अपना समवेत स्वर मिलाकर छात्राओं एवं समस्त फैकल्टी मेंबर्स नें सुंदरकांड का पाठ किया। पाठ के बाद सभी को प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर कॉलेज के प्राचार्या डॉ. शुभा शर्मा ने सभी छात्राओं व कॉलेज स्टाफ को नववर्ष की मंगलकामना देते हुए, सुंदरकांड के पाठ को आध्यात्मिक ऊर्जा का अकूत भंडार बताया।

विश्व हिंदी दिवस पर काव्यगोष्ठी एवं वर्कशॉप का आयोजन

कॉलेज में विश्व हिंदी दिवस पर काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. शुभा शर्मा ने इस अवसर पर हिंदी क्लब की सदस्य छात्राओं को हिंदी भाषा का महत्व बताते हुए साहित्य और उसकी विभिन्न विधाओं की जानकारी दी। हिंदी क्लब संयोजिका डॉ. मधु गुप्ता ने बताया कि काव्यगोष्ठी में छात्र कवयित्रियों ने स्वरचित कविताओं का पाठ किया तथा कुछ छात्राओं ने हिंदी के प्रसिद्ध कवि और कवयित्रियों की रचनाओं का स्वर पाठन किया। कार्यक्रम का संचालन प्रथम वर्ष की छात्राएं प्रीति झा और जयश्री ने किया। इस अवसर पर छात्राओं के लिए इंदिरा महिला शक्ति प्रशिक्षण तथा कौशल संवर्धन योजना के अंतर्गत आरएस-सीआईटी और आरएस-सीएसईपी इंग्लिश स्पोकन एंड पर्सनेलिटी डेवलपमेंट से संबंधित एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि आरकेसीएल निर्देशक मनीष धमीजा और आरकेसीएल सर्विस प्रोवाइडर सहयोगी शक्तिसिंह रहे।

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर कोरोना जनजागरण अभियान

12 जनवरी 2022 को समन्वयक डॉ. सुमिता शारदा एवं डॉ. रीना जैन (एच.आर. एवं बैंकिंग क्लब) के निर्देशन में हल्दीघाटी मार्ग, प्रताप नगर में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए बीकॉम और बीए की युवा छात्राओं ने मास्क बांटे और कोरोना के प्रोटोकॉल के बारे में जनसामान्य को बताया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. शुभा शर्मा ने युवा छात्राओं को राष्ट्र निर्माण में एवं राष्ट्रीय आपदा के समय कमर कस अपना योगदान देने का आह्वान किया।

सुभाषचंद्र बोस जयंती एवं पराक्रम दिवस का आयोजन

कॉलेज में 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती एवं पराक्रम दिवस उत्साह एवं उल्लास पूर्वक मनाया गया, जिसमें महाविद्यालय के योगा एवं फिटनेस क्लब कोऑर्डिनेटर डॉ. अनीता शर्मा द्वारा ऑनलाइन 'स्लोगन राइटिंग कंपटीशन' का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत छात्राओं ने देश भक्ति से संबंधित स्लोगन लिखकर प्रेषित किए। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो डॉ. शुभा शर्मा ने इस अवसर पर नेता जी के जीवन पर प्रकाश डाला तथा बताया कि उनके आदर्शों पर चलकर हम अपने जीवन का देशहित में श्रेष्ठ उपयोग कर सकते हैं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बी.ए. प्रथम वर्ष की प्रीति झा, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर बीएससी प्रथम वर्ष की हंसा मीणा एवं बीएससी द्वितीय वर्ष की अर्चना चौधरी रहीं।

'राष्ट्रीय बालिका दिवस' का आयोजन

देश में हर साल 24 जनवरी को राष्ट्रिय बालिका दिवस मनाया जाता है। इसके पीछे सबसे बड़ा उद्देश्य लड़कियों को सहायता और अलग अलग तरीके के अवसर प्रदान करना हैं। इसी सोच को बढ़ाते हुए कॉलेज की सहायक प्रो. डॉ. सुधा सक्सेना, डॉ. रीटा शर्मा व मिस शेफाली मेंदीरत्ता ने राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित 'उड़ान योजना' के तहत राज्य महिला सदन में महिलाओं और बालिकाओं को निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन वितरण किया, तथा महाविद्यालय की छात्राओं के लिए 'डांस एवं ड्रामा क्लब' कोऑर्डिनेटर मिस पूनम शर्मा एवं डॉ. सुधा सक्सेना द्वारा ऑनलाइन 'वीडियो कंपटीशन' का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक 'कैसे बचाएं बेटियाँ' रखा गया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. शुभा शर्मा ने बताया कि समस्त महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य एवं निजी शारीरिक स्वच्छता के प्रति जागरूक रहना चाहिए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बीएससी द्वितीय वर्ष की मेघना, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर बीए दितीय वर्ष की श्रुति शर्मा एवं बीए प्रथम वर्ष की दीक्षा रहीं।

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का आयोजन

कॉलेज में 25 जनवरी 2022 को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के बछेंद्रीपाल क्लब की कोऑर्डिनेटर डॉ. रीटा शर्मा द्वारा कोलाज मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत छात्राओं ने अपने परिवार के साथ भ्रमण किए गए विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों के बारे में दर्शाते हुए बहुत ही सुंदर चित्र प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुनीता चौधरी बीए द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर स्वाति व मनीषा चौधरी बीए द्वितीय वर्ष, तृतीय स्थान पर प्रियंका सैनी बीएससी प्रथम वर्ष रहे। कॉलेज की प्राचार्या डॉ.शुभा शर्मा ने प्रतिभागियों को पर्यटन के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के उपयोग के बारे में बताते हुए बधाई संदेश व्यक्त किए।

गणतंत्र दिवस समारोह -26 जनवरी 2022

26 जनवरी को देश का 73वाँ गणतंत्र दिवस समारोह उमंग, उल्लास एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. सचिन झांवर, निदेशक-अपेक्स हॉस्पिटल ने अपने उद्बोधन में बताया कि आज ही के दिन हमारे देश में लोकतांत्रिक प्रणाली की राह तैयार करने वाला संविधान लागू हुआ, यह संविधान ही है जो भारत के सभी जाति और वर्ग के लोगों को एक दूसरे से जोड़े रखता है ।

महाविद्यालय के मानद सचिव श्री कैलाश अजमेरा ने छात्राओं को संबोधित किया और देश के वीर सपूतों के बलिदानों का स्मरण कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में भवन मंत्री श्री सुनील मालपानी, हॉस्टल संयोजक श्री सांवरमल परवाल, समस्त संकाय सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित रहे। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में डांस क्लब की कोऑर्डिनेटर मिस पूनम शर्मा के द्वारा ऑनलाइन डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कई छात्राओं ने देशभक्ति गानों के साथ अपनी प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बीए प्रथम वर्ष की आरती जांगिड़ और द्वितीय स्थान पर बीकॉम प्रथम वर्ष की आरजू सिसोदिया रहीं।

इंटरेक्ट क्लब के छात्रों ने पतंगों द्वारा कोरोना महामारी से बचने का संदेश दिया

मकर संक्रांति के अवसर पर पतंगोत्सव के उपलक्ष्य में विद्यालय के इंटरेक्ट क्लब के शिक्षक सदस्य श्रीमती सरिता गोदारा और श्रीमती मोनिका गोविल के निर्देशन में पतंगों पर कोविड महामारी से बचने के उपाय और जनचेतना से सम्बन्धित बहुत ही प्रेरक संदेश विद्यालय के छात्रों द्वारा लिखे गए। पतंग को उड़ाने की सभी बच्चों की रुचि रहती है लेकिन उसके साथ साथ यदि समाज के हित में संदेश उड़कर सभी के पास आएं तो वह कार्य कितना सार्थक होता है- यह आज विद्यालय के बच्चों ने कर दिखाया।

गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन

विद्यालय में गणतंत्र दिवस का आयोजन बहुत ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। गणमान्य अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण एवं माँ सरस्वती के मंदिर में दीप प्रज्वलित करने के पश्चात तक्षशिला सभागार में मानद सचिव श्री कमल सोमानी, भवनमंत्री श्री संजय बांगड व प्राचार्य अशोक वैद ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राम भजो ज्वेलर्स के डायरेक्टर और प्रसिद्ध व्यवसायी एवं समाजसेवी श्री नितिन गिलड़ा का पावन परंपरानुसार स्वागत-सत्कार किया गया। श्री कमल सोमानी ने कहा कि हम सबके लिए हमारा देश व उसके प्रति हमारे कर्तव्य सर्वोपरि हैं। श्री गिलडा जो कि विद्यालय के सत्र 1992 के पूर्वछात्र भी रहे हैं उन्होंने कहा कि आज हमारा विद्यालय नित नई ऊँचाइयों को छू रहा है, जिसके मूल में अनुशासन और अपनी भारतीय संस्कृति का अनुपालन है। सबको भाव-विभोर करने वाले वर्चुअल सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत नृत्य, गीत, काव्य-पाठ आदि प्रस्तुत किए। विद्यालय के शिक्षकों ने भी बांसुरी-वादन, देशभक्ति-गीत, काव्य-पाठ आदि के द्वारा समूचा वातावरण राष्ट्र-प्रेम से सराबोर कर दिया। अंत में श्री संजय बांगड़ ने धन्यवाद ज्ञापित करके आभार प्रकट किया।

राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा (STSE) में विद्यालय के 11 छात्रों ने किया श्रेष्ठ प्रदर्शन

विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्रों ने एक बार पुन: अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा (STSE) में विद्यालय के 11 होनहार छात्रों ने जीत हासिल की है। माध्यमिक स्तर पर रघु लखोटिया, ऐशान भगत, हिमांशु पहिलाजानी, वत्सल बडाया, दर्श माहेश्वरी, युवराज सैनी, दर्शिल खंडेलवाल, क्रतिन गुप्ता, रणवीर त्रिखा एवं उच्च माध्यमिक स्तर पर प्रखर जैन एवं प्रियांशु सैनी ने इस प्रतियोगिता में सफलता हासिल की है। ईसीएमएस के अध्यक्ष, महासचिव शिक्षा, विद्यालय के सचिव, भवनमंत्री एवं प्राचार्य श्री अशोक वैद ने सफल छात्रों को बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

15 से 18 वर्ष के बच्चों के लिए द्वितीय वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन

बच्चों के कॉविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान को गति प्रदान करते हुए 5 फरवरी, 2022 को विद्यालय में निश्चय संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 15 से 18 वर्ष तक के विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क वैक्सीनेशन कैंप-2 का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को नियमानुसार पहली अथवा दूसरी डोज लगाई गई। इस कैंप का उद्घाटन सम्मान्य अतिथि श्री सी.ए. दिलीप कुमार मालपानी और सीए श्री अभिषेक मारू द्वारा किया गया। टीकाकरण के इस कैंप से लाभान्वित विद्यालय के बच्चे और उनके माता-पिता अति उत्साहित व प्रसन्न नजर आए। इस कैंप में कुल 600 से भी अधिक बच्चों ने टीकाकरण करवाकर एक मिसाल कायम की। इस अवसर पर विद्यालय के भवनमंत्री श्री सीए संजय बांगड तथा विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक वैद ने उपस्थित होकर बच्चों को प्रोत्साहित किया।

वसंत पंचमी का आयोजन

विद्यालय में वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर अनेक गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम आयोजित किए गए। कक्षा एक तथा दो के छात्रों ने फूलों के मुखौटे बनाने की गतिविधि में भाग लिया। कक्षा 3 के छात्रों ने वसंत ऋतु एवं माँ सरस्वती का गुणगान करते हुए कविता प्रस्तुत की तथा तितली के पंख बनाकर अपनी रचनात्मकता दिखाई। कक्षा 4 के छात्रों ने माँ सरस्वती के आगे श्रद्धानवत होकर श्लोक पाठ एवं कविता वाचन किया। कक्षा 5 के छात्र- छात्राओं ने पुष्पसज्जा तितलियों का निर्माण तथा अन्य सुंदर चित्र बनाकर गतिविधि में भाग लिया। यही नहीं छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य भी पेश किया गया। विद्यालय के सभी शिक्षकगण पीतवस्त्र में आए एवं विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक वैद व अन्य शिक्षकों द्वारा सरस्वती मंदिर में पूजन-अर्चना की गई।

लोहड़ी पर्व मनाया गया

भारत विविधता में एकता का देश है। यहाँ अनेक धर्म के लोगों के द्वारा अनेक त्योहार मनाए जाते हैं। लोहड़ी पर्व उन्हीं में से एक है। विद्यालय में लोहड़ी का पर्व बहुत आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया गया। विद्यालय के प्राचार्य ने अग्नि प्रज्वलित कर आहुति दी व सभी के लिए सुख-समृद्धि की मंगलकामना की। शिक्षकों द्वारा गीत प्रस्तुत किए गए। प्रसाद वितरित किया गया।

पूर्व छात्र दिव्यांश कचौलिया ने विश्व में विद्यालय का गौरव बढ़ाया

सोनी टीवी पर इंडियाज गॉट टैलेंट में दिव्यांश कचौलिया ने मुख से विविध वाद्य-यंत्रों की ध्वनि निकालते हुए प्रस्तुति दी तो निर्णायक मंडल ने भी खड़े होकर उनकी इस शानदार प्रस्तुति की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आश्चर्य व्यक्त किया और उसी समय श्रेष्ठ प्रतिभा के रूप में चयन कर लिया। इससे विद्यालय परिवार गौरवान्वित हुआ है। इस अवसर पर ई सी एम एस के अध्यक्ष, महासचिव शिक्षा सहित स्कूल पदाधिकारियों एवं प्राचार्य ने दिव्यांश कचौलिया को बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

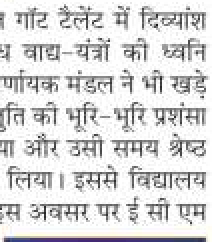

सुरक्षा कवच में आया बचपन

हाथ से हाथ जोड़कर जब विश्वास का कवच गढ़ते हैं ,
कोरोना तो क्या, तब हम हर मुसीबत से लड़ सकते हैं।

माहेश्वरी समाज इसी विश्वास का नाम है और द एजुकेशन कमेटी ऑफ द माहेश्वरी समाज न सिर्फ शिक्षा के क्षेत्र में अपने सरोकारों के लिए जाना माना नाम है वरन विद्यार्थियों की शारीरिक व मानसिक सुरक्षा का दायित्व भी बखूबी निभाता है।

ECMS ने अपने अधीन संचालित विद्यालयों के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए इस कोरोना काल में पहल करते हुए mgps प्रांगण में जनवरी 2022 से तीन दिवसीय टीकाकरण कैम्प का आयोजन किया।

तीन दिवसीय इस कैम्प का आयोजन सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करने हुए कक्षा 9 से 12 की 15-18 साल की छात्राओं के लिए आयोजित किया गया। कोविन एप पर पंजीकरण के पश्चात छात्राओं ने बेझिझक टीका लगवाकर स्वयं को सुरक्षा चक्र में शामिल किया। इस टीकाकरण कैम्प में लगभग 1400 छात्राओं ने टीके की खुराक लेकर सुरक्षा घेरे को अपने हाथ में ले लिया। इस हेतु छात्रों का उत्साह पंजीकरण से ही देखने को मिल रहा था। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. सुनीता वशिष्ठ ने छात्राओं का उत्साह वर्धन किया।

धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस

जो आसमां की नीरवता को भरकर
अपने रंग से रंग देता है।
वह तिरंगा मेरे देश का ,
हर पल गौरवान्वित मुझे कर देता है।।

26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस एक दिन नहीं,एक पल नहीं, एक जीवंत कहानी है। वीरों की गाथाओं से सजी एक दुनिया रूहानी है। mgps ने भारतीय संस्कृति के ध्वज वाहक के रूप में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस को अति हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी व उद्योगपति श्री घनश्याम जी साबू के द्वारा ध्वजा रोहण किया गया। अध्यापक वृंद ने तिरंगे को

सलामी देते हुए राष्ट्र गान प्रस्तुत किया। विद्यालय के मानद सचिव श्री मुरारीलाल बिड़ला, भवन मंत्री श्री कमलेश लड्ढा व विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ सुनीता वशिष्ठ ने मुख्य अतिथि का विद्यालय प्रांगण में स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रतिभावान छात्राओं कक्षा-2 की लावण्या राठौर व कक्षा 9 की छात्रा याशिका माहेश्वरी को उनकी प्रतिभा व कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। सीबीएसई की वीर गाथा परियोजना के तहत विद्यालय की छात्रा दैदीप्या जैन ने 1962 के भारत-चीन युद्ध के हीरो रहे मेजर शैतानसिंह के अतुलनीय योगदान से सबको परिचित करवाया और सभी को जोश से भर दिया। कार्यक्रम को और ऊँचाइयों की ओर ले जाते हुए विद्यालय की अध्यापिका वंदना नागर ने देश के प्रति अपने भावों को स्वरचित कविता के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महोदय ने समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को पूर्ण करने को ही देशभक्ति का सर्वश्रेष्ठ रूप कहा। मानद सचिव ने कार्य के प्रति ईमानदारी और निष्ठा को देश के प्रति प्रेम का प्रदर्शन करने का माध्यम बताया। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए भारतीय अस्मिता को बनाए रखने की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के उप प्रधानाचार्य श्री विवेक भार्गव ने अतिथियों व गणमान्य सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

विज्ञान को बनाया जीवन को सरल बनाने का साधन

नए जमाने के संग ,नए रंग में रंग
हम नया आसमां गढ़ रहे हैं

भारत सरकार के विज्ञान व तकनीकी संस्थान द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में mgps की छात्राओं ने अपनी वैज्ञानिक निपुणता का परिचय देकर यही साबित किया है। Innovationin Science Pursuit of Inspired Research Scheme के तहत आयोजित प्रतियोगिता में विद्यालय की 4 छात्राओं अनन्या माहेश्वरी, चाहत गुप्ता, श्रेया सिंह व निष्ठा शर्मा ने भाग लिया और दैनिक जीवन को सरल करने के लिए अपनी नई खोजों को प्रस्तुत किया और प्रत्येक ने 10000/ रुपये की ईनाम राशि जीती।

प्रतियोगिताओं में फहराया परचम

mgps की प्रतिभावान छात्राओं ने Calarx & Public school, Ghatodia, Ahamdabad द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं को जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा 6-8 के विद्यार्थियों के लिए आयोजित प्रतियोगिता- काव्य पाठ में शैली माहेश्वरी व मोनोलॉग प्रतियोगिता में अग्रीशा धानिया विजेता रहीं। इसी वर्ग में पोस्टर प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता में प्रत्यक्षा तिवारी व निराली गुप्ता ने मेडल अपने नाम किया।

कक्षा 9-12 के लिए आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा से सबको प्रभावित किया। भाषण प्रतियोगिता में राशी धूत ने 1st रनर की ट्रॉफी अपने नाम की। संगीत प्रतियोगिता में वाद्य यंत्र पर अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए खुशी कृपलानी ने 2nd रनर की ट्रॉफी पर दावा पेश किया। फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता में मेघना नायर ने 1st रनर का खिताब जीता इस श्रेणी में पोस्टर प्रतियोगिता में मन्शिका पाटोदिया व मनस्वी अग्रवाल ने संयुक्त रूप से 1st रनर का स्थान सुनिश्चित किया।

COVID-19 Vaccination Drive

उसकी चुभन में भी सुख का असीम अहसास है।
सहयोग है, सामर्थ्य है, टीका ही जीवन की आस है।।

With the aim of conquering Covid-19 and to strengthen the resolve of human service, Maheshwari Public School, Pratap Nagar organised a vaccination camp on the occasion of National Youth Day. Shri Gopal Das Mundra and Shri Alok Kothari, eminent businessman and social worker added more relevance to the event with their esteemed presence. Shri Mukesh Rathi, Honorary Secretary, accorded a warm welcome to the distinguished guests, the students and their parents who came for vaccination. The Honorary Secretary, Shri Mukesh Rathi urged the students to become strong, active and imbibe spirituality like Swami Vivekananda. In their inspirational address, the esteemed guests praised this effort of the school and inspired the students to be full of positivity by embracing the values of Swami Vivekananda in their lives. Shri Natwar Lal Ajmera, ECMS, General Secretary, Education, School Building Secretary, Shri Ashok Ajmera, revered members of the School Management Committee Shri Ram Chitlangya, Shri Manish Modani were also present in the program organised under the Vaccination Camp. About 600 children in the age group of 15 to 18 were inoculated.

On this occasion, it was resolved to celebrate the Youth Festival from January 12, Swami Vivekananda Jayanti to January 23, Parakram Divas. The Principal, Mrs. Rita Bhargava, while extending vote of thanks infused positivity among the students by emphasising on Swami Vivekananda's mantra 'Arise, awake and stop not till the goal is reached.'

Republic Day

सबके अधिकारों का रक्षक, अपना यह गणतंत्र पर्व है।
लोकतंत्र ही मंत्र हमारा, हम सबका बस यही गर्व है।।

Maheshwari Public School, Pratap Nagar, celebrated the 73rd Republic Day with a great enthusiasm and vigour, in all its solemnity and grandeur on 26th January, 2022. Shri Susshil Daga, Adv. (CS), Chairman (Elect) of NIIRL of ICSI, Shri Ashwani Mundra, CA FCA, DISA, PR (ICAI), Shri Sharad Rathi, IT Professional adorned the occasion with their gracious presence as Chief Guest and Guests of Honour respectively. A glimpse of discipline and coordination was exhibited by NCC cadets while escorting the distinguished Chief Guest, revered Guests of Honour,

Honorary Secretary and other esteemed members of management for the flag hoisting, marching in contingents to the beat of drum. A medley of patriotic songs spread the vibes of patriotic fervour in the ambience. A nukkadnatak was staged disseminating the effects of pandemic on the lives of students and the education system. The Chief Guest highlighted the importance of Preamble in the constitution and reminded that rights and duties go hand in hand. Honorary Secretary, Shri Mukesh Rathi and the Principal, Mrs. Rita Bhargava were gifted framed images of Preamble and Fundamental Duties by the Chief guest as a souvenir of Republic Day. He also emphasised that we as Indians are fortunate to have one of the largest constitutions of the world. He urged parents to understand their children, teachers to be good role models and students to focus on learning life skills and being a part of solutions. Mementoes were presented to the Chief Guest and the Guest of Honour as a mark of reverence. A vote of thanks was extended at the end.

Youth Festival

स्वामी विवेकानंद युवाओं का उत्साह हैं।
प्रेरणा,आदर्श और समाधान की राह हैं।।

With an objective to apprise and enlighten the students about the high ideals and ethos propagated by spiritual genius, Swami Vivekananda and valiant Subhash Chandra Bose, an eleven day extravaganza, 'Youth Festival' was celebrated from 12th- 23rd January, 2022. The event commenced on National Youth Day with Covid-19 Vaccination Drive. In the duration of 11 days,a plethora of rhetoric activities viz. quiz, powerpoint presentation, article writing were organised for the students of middle and senior wing.

The Principal, Ms Rita Bhargava viewed that the enthusiastic participation of mpsites in these activities exhibited their inclination towards principles, promulgated by such legendary figures, filling us with endless pride.

Glorious Accolades in Prestigious Professional Exams

लक्ष्य पर जिसने साहस के निशाने साधे हैं।
सफलताओं ने उनसे मिलने के किए हमेशा वादे हैं।।

The erudite mpsiteAditi Pandya added glory to the institution by clearing prestigious CA Foundation Exam. Heartiest Congratulations!

The exuberant students of MPS, Pratap Nagar- Karina Manglani, Akshat Gupta, Mohit Sharma Samyak Jain, Vanshika Jain, Ananya Agarwal, Harshit Saini, Nandini Maheshwari, Akanksha Maheshwari, Arpita Mittal, Pallavi Jain, Ankit Kabra wrote a triumphant saga in CMA Foundation Exam, showcasing their grit and perseverance to attain the coveted goal. Warmest Greetings to the worthy achievers!

Roaring Success in State Level Post card Writing Competition

A proud mpsite, Urvi Veerman, Grade 11, brought laurels to her alma mater by securing apex position in State Level Post Writing Competition and getting selected for National Level Post Card Writing Competition organised by Postal Dept. of India. We feel immense pleasure to share that her Post card was selected among 25000 Post cards at All India Level on the theme, 'My Vision for India in 2047'. Kudos! We are proud of you.

शिविर लगाकर विद्यार्थियों का किया टीकाकरण

विद्यालय में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए 15 से 18 वर्ष तक के विद्यार्थियों के लिए कोरोना वैक्सीन की प्रथम डोज हेतु निःशुल्क वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक वैक्सीनेशन करवाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी कृष्ण प्रकाश मालपानी, विशिष्ट अतिथि श्री महावीर नोवाल के साथ ई.सी.एम.एस. अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, उपाध्यक्ष श्री रमेश कुमार सोमानी, सचिव श्री द्वारका प्रसाद मालू, भवन मंत्री श्री भवानी शंकर बाहेती, प्रबुद्ध पदाधिकारीगण, एम.एम.सी मेंबर्स व प्राचार्या ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय में मनाई गई लोहड़ी और मकर संक्रांति

विद्यालय में लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के अवसर पर प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह व उप-प्राचार्या श्रीमती मंजू शर्मा ने पूजन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। शिक्षिका मेघा मल्होत्रा ने लोहड़ी उत्सव व मकर संक्रांति से संबंधित विशेष जानकारी देते हुए तिल-गुड़ से सेहत बनाने व ऊँची उड़ती पतंगों द्वारा परिंदों की उड़ान को बाधित न करने का संदेश दिया। शिक्षकों ने गिद्दा गीत गाते हुए खेतों में फसल पकने पर लोक संस्कृति में जन्मे हर्ष व उल्लास को दर्शाया।

गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए गणतंत्र दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री मनोज काहल्या, सचिव श्री निर्मल दरगड़, भवन मंत्री श्री भवानी शंकर बाहेती, एमएमसी मेंबर्स व प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने तिरंगा फहराकर कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए भाईचारे की भावना के साथ राष्ट्र व मानव सेवा में अग्रसर होने का संदेश दिया। ईसीएमएस अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती व कोषाध्यक्ष श्री नटवरलाल सारडा ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए अपने कर्त्तव्यों का दृढ़ता से पालन करने के लिए प्रेरित किया। संगीत विभाग द्वारा सामूहिक देशभक्ति गीत 'छोड़ो कल की बातें, और 'भारत हमको जान से प्यारा है,' की मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

गणतंत्र दिवस पर प्रतियोगिताओं का आयोजन

विद्यालय में 'गणतंत्र दिवस' के पावन अवसर पर ऑनलाइन भाषण, नृत्य, वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपने भाषण और वाद-विवाद में बताया कि संविधान निर्माण 2 साल 11 महीने 18 दिन में हुआ था। हमने विविधता में एकता के सूत्र को अपनाते हुए धर्म निरपेक्षता की नीति को अपनाया है। हम चाहे धर्म, जाति, प्रान्त, भाषा व बोली के आधार पर अलग हों लेकिन हमारा संविधान हमें एकजुटता प्रदान करता है। विद्यार्थियों ने देश-भक्ति गीतों पर नृत्य द्वारा अपने देशप्रेम को प्रकट किया। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन चरित्र को भी कक्षा में प्रस्तुत किया गया।

विशेष उपलब्धियाँ

इंस्पायर मानक अवार्ड के लिए चयन

भारत सरकार के विज्ञान और तकनीकी विभाग द्वारा विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए 'इन्स्पायर मानक' अवार्ड के लिए विद्यालय से चार विद्यार्थियों का चयन हुआ। इन विद्यार्थियों के विज्ञान प्रोजेक्ट्स से संबंधित विचार भारत सरकार द्वारा चयनित किए गए।

'लेखनी निनाद' में प्रकाशित गुंजित की कविता और गीत

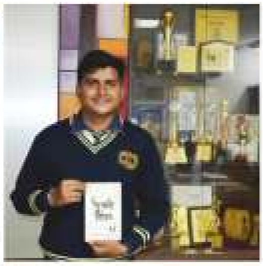

विद्यालय के कक्षा 12वीं (विज्ञान) के छात्र गुंजित जैन की पाँच कविताएँ और गीत 'लेखनी निनाद' नामक पुस्तक में प्रकाशित हुए हैं। यह पुस्तक एमेजॉन पर उपलब्ध है। विद्यालय सचिव श्री निर्मल दरगड़, प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह व उप प्राचार्या श्रीमती मंजू शर्मा ने गुंजित को छोटी उम्र में इतने अच्छे व उच्च स्तर के लेखन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कहा कि इस पुस्तक में देश के कई उम्दा लेखकों के बीच हमारे विद्यालय के होनहार व प्रतिभावन विद्यार्थी गुंजित जैन को स्थान मिलना विद्यालय के लिए अत्यंत गर्व की बात है।

टीचर ऑफ द मंथ

विद्यालय के शिक्षक श्री अनिल शर्मा व शिक्षिका श्रीमती कमला शर्मा को अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए नवम्बर माह में 'टीचर ऑफ द मंथ' के सम्मान से नवाज़ा गया। विद्यालय प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने दोनों शिक्षकों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

विशेष अवसरों पर शुभकामनाएँ

प्रवासी भारतीय दिवस, गुरु गोविन्द सिंह जयंती, स्वामी विवेकानन्द जयंती, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती, राष्ट्रीय बालिका दिवस, लाला लाजपत राय जयंती और शहीद दिवस पर विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं। कक्षा-शिक्षण के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को इन अवसरों के महत्त्व से अवगत कराया।

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, कालवाड़ रोड

क्राफ्ट एक्टिविटी

6 जनवरी, 2022 को संस्कृति के लेवल 1, 2 और 3 के विद्यार्थियों के लिए स्ट्रिंग फोन एक्टिविटी, 10 जनवरी, 2022 को टिश्यू बॉक्स गिटार एक्टिविटी, 12 जनवरी, 2022 को काइट क्राफ्ट एक्टिविटी तथा 25 जनवरी, 2022 को फ्लैग क्राफ्ट एक्टिविटी का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य शिक्षा के साथ-साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी विद्यार्थियों की रुचि जागृत करना था। संस्कृति मानद् सचिव श्री संजय काबरा तथा प्रधानाचार्य श्री ओ. पी. गुप्ता ने सभी विद्यार्थियों की कला की प्रशंसा की।

लोहड़ी सेलीब्रेशन

13 जनवरी, 2022 को विद्यालय में लोहड़ी पर्व मनाया गया। विद्यालय प्रांगण को पंजाबी संस्कृति के अनुसार सजाया गया। मैदान में अग्नि प्रज्वलित कर उसकी परिक्रमा की गई। मूँगफली, रेवड़ी का प्रसाद चढ़ाया गया तथा सभी को लोहड़ी की बधाई दी गई।

गणतंत्र दिवस

26 जनवरी, 2022 को संपूर्ण भारत में 73वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय ने भी देशप्रेम का परिचय देते हुए इस राष्ट्रीय उत्सव को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख समाजसेवी, वक्ता तथा मीरा हॉस्पिटल के संस्थापक श्री सत्यनारायण पाटोदिया मंच पर विराजमान रहे। उन्होंने अपने संबोधन के माध्यम से सभी को संप्रदाय निरपेक्ष होने का संदेश दिया। ध्वजारोहण तथा राष्ट्र-गाान की स्वर-लहरियों के साथ कार्यक्रम का आरंभ हुआ। विद्यालय के शिक्षकों ने देशप्रेम से ओत-प्रोत गीत प्रस्तुत किए। विद्यालय प्रधानाचार्य श्री ओ. पी. गुप्ता ने अपने संबोधन से संपूर्ण वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। इस पावन अवसर पर विद्यालय मानद् सचिव श्री मनोज कुमार बिड़ला तथा मैनेजिंग कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे। राष्ट्रगीत तथा माँ भारती की जय-जयकार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भाषण प्रतियोगिता

24 जनवरी, 2022 को कक्षा 6 से 11 के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी श्रृंखला में कक्षा 1 से 5 के विद्यार्थियों के लिए पोस्टर मेकिंग तथा संस्कृति के तीनों लेवल के विद्यार्थियों के लिए नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताएँ देशभक्ति तथा गणतंत्र दिवस पर आधारित थीं। प्रत्येक कक्षा से विजेता का चयन किया गया। मानद् सचिव श्री मनोज कुमार बिड़ला तथा प्रधानाचार्य श्री ओ. पी. गुप्ता ने विद्यार्थियों के देशभक्ति के जज़्बे की सराहना की।

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, बगरू

न्यू ईयर सेलिब्रेशन

01 जनवरी 2022 को एमपीएस संस्कृति, अजमेर रोड के प्रांगण में नववर्ष के स्वागत के लिए ऑनलाइन माध्यम से नन्हे-मुन्ने बाल-गोपालों के लिए नववर्ष सेलिब्रेशन पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने रंग-बिरंगे वस्त्र पहनकर कर अपने संग खाने-पीने के लिए कुछ स्वादिष्ट खाद्य वस्तुएँ भी रखीं। अध्यापिकाओं द्वारा बच्चों के लिए नृत्य व गायन कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। विद्यार्थियों ने पूरा आनंद लेते हुए नववर्ष के अभिवादन हेतु एक कार्ड मेकिंग एक्टिविटी भी पूर्ण की।

लोहड़ी व मकर संक्रांति सेलिब्रेशन

पंजाबी मिट्टी पर लहलहाती फसलों की महक से ओतप्रोत मस्ती का पर्याय लोहड़ी व सूर्य के दक्षिणायन से मकर राशि में प्रवेश के आनंद का त्योहार मकर संक्रांति महोत्सव का आयोजन माहेश्वरी पब्लिक स्कूल अजमेर रोड, जयपुर के प्रांगण में 13 जनवरी 2022 को बड़े ही धूमधाम से मनाया किया गया। इस शुभावसर पर एमपीएस संस्कृति के बाल-गोपालों ने एवं शिक्षकवृंद ने मध्य में आग जलाकर पंजाबी रंग में रंगे वस्त्र व गीतों की सुमधुर धुनों पर मनमोहक नृत्य कर सब दर्शकों के मन-मयूर को पंख दे दिए। विद्यार्थियों को शिक्षकों द्वारा लोहड़ी व मकर संक्रांति पर्व को मनाने की पौराणिक कथा व अवधारणाओं के बारे में बताकर तिल से बनी रेवडी, मूँगफली, पॉपकार्न आदि प्रसाद वितरण किया गया। इस शुभावसर पर विद्यालय मानद् सचिव श्री श्यामसुंदर तोतला, भवन सचिव श्री सुरेंद्र काबरा, प्राचार्या श्रीमती दलजीत कौर एवं उपप्राचार्य श्री पवन माहेश्वरी आदि गणमान्य जन उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस समारोह - 2022

माँ भारती के सच्चे सपूतों को नमन करते हुए एवं हमारे स्वाभिमान तिरंगे को नील गगन में फहराने के लिए विद्यालय में 73वें शुभ पावन पर्व गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस भारतीय

गणतंत्र के महोत्सव पर मुख्य अतिथि श्री देवकीनंदन बाहेती (ख्यातिलब्ध उद्योगपति व सजग समाजसेवी), एम.पी.एस., अजमेर रोड़, बगरू के मानद् सचिव श्री श्यामसुंदर तोतला व भवन सचिव श्री सुरेंद्र काबरा, प्राचार्या श्रीमती दलजीत कौर, उपप्राचार्य श्री पवन माहेश्वरी आदि प्रबुद्धजन एवं पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

इस शुभावसर पर मुख्य अतिथि ने अपने आशीर्वचनों में ई.सी.एम.एस के दिशा-निर्देशों में सभी माहेश्वरी विद्यालयों में पूर्ण मनोयोग शिक्षण का पुनीत कार्य हो रहा है उसकी मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि अनन्त बलिदानों का यह पावन पर्व हमारे अन्दर नई चेतना, नई प्रेरणा को अनुप्राणित कर हमारी राष्ट्रीय व सांस्कृतिक आस्थाओं व भावनाओं को झंकृत करने वाला है तथा हम सभी, राष्ट्रभक्त अमर शहीदों को, श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में उतारने के लिए संकल्पबद्ध हैं। मानद् सचिव व भवन सचिव ने भी आगंतुक अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने आशीर्वचनों में कहा कि सतत् त्याग व बलिदान के कारण ही हमें गुलामी की तपती धूप से निकल आजादी की शीतल छाया मिली। सारा राष्ट्र केसरिया परिधानों के प्रति कृतज्ञ है और उनके अधूरे स्वप्नों को पूरा करने के लिए हम सभी कृत संकल्प हैं। हमारे रण बांकुरों ने विकास की यात्रा को जिस मुकाम तक पहुँचाया है, उसे नये शिखर तक पहुँचाने में हम सतत् प्रयत्नशील रहेंगे और इसी पुनीत वेला में छात्र-छात्राओं व शिक्षक-शिक्षिकाओं ने राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत मन-मोहक सांस्कृतिक नृत्यों व गीतों की प्रस्तुति दी जिससे विद्यालय प्रांगण में बैठे दर्शकगण मंत्रमुग्ध हो गए।

डांस कॉम्पिटिशन - 2022

विद्यालय में 29 जनवरी 2022 को कक्षा 3 से 5वीं तक के विद्यार्थियों के लिए एक अंतर्विद्यालयी नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से अपने नृत्य के अनुरूप परिधान पहनकर एवं नृत्य के माध्यम से अपने मन के कोमल भावों को अभिव्यक्त करते हुए मनमोहक नृत्यों की प्रस्तुतियाँ देकर निर्णायकगणों को आनंदित कर दिया।

75 करोड़ सूर्य नमस्कार उपक्रम में शिक्षकगण ने निभाई सहभागिता

'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के तहत भारत सरकार के आयुष मंत्रालय, हरियाणा योग आयोग, खेलो इण्डिया और फिट इण्डिया के सहयोग से आज़ादी की 75वीं वर्षगाँठ के शुभ उपलक्ष्य में गीता परिवार, नेशनल योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन, पतंजलि योगपीठ, क्रीड़ा भारती तथा हार्टफुलनेस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 75 करोड़ सूर्य नमस्कार उपक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकगण एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

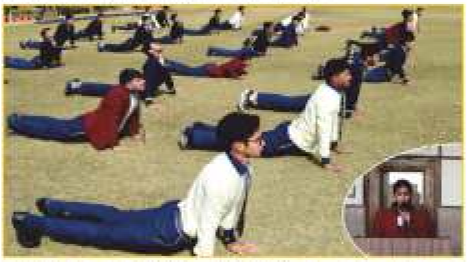

15 से 18 वर्ष के विद्यार्थियों के लिए वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन

विद्यालय में 10 जनवरी और 11 जनवरी को 15 से 18 आयु वर्ग के विद्यार्थियों के लिए कोरोना वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया। वैक्सीनेशन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं व्यवसायी श्री घनश्याम नोवाल, विशिष्ट अतिथि श्री सुनील फलोड, ई.सी.एम.एस. के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, उपाध्यक्ष शिक्षा श्री रमेश कुमार सोमानी, महामंत्री समाज श्री गोपाल लाल मालपानी, विद्यालय के मानद् सचिव श्री अशोक कुमार फलोड, भवनमंत्री श्री अजय नोवाल, विद्यालय प्रबंध समिति सदस्य श्री अजीत सक्सेना एवं ई.सी.एम.एस. के पदाधिकारीगण के साथ टीकाकरण कार्य के लिए पधारे सीनियर डॉक्टर श्री अरविंद बोहरा ने माँ शारदे की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर टीकाकरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर ई.सी.एम.एस. के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती ने अपने उद्बोधन में कहा कि वैश्विक महामारी का सामना कर रही दुनिया ने टीकाकरण को ही एक सुरक्षाकवच के रूप में स्वीकार किया है। माहेश्वरी समाज शिक्षा के साथ-साथ परहित और समाजसेवा के कार्यों को सदैव सर्वोपरि मानकर तन-मन और धन से मानवता की सेवा करता आया है। टीकाकरण कार्यक्रम में 15 वर्ष से 18 वर्ष के विद्यार्थियों ने टीका लगवाकर स्वयं को कोरोना से सुरक्षित महसूस किया। इस टीकाकरण अभियान में कुल 739 विद्यार्थी कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लगवाकर लाभान्वित हुए। अंत में विद्यालय के मानद् सचिव श्री अशोक कुमार फलोड ने अतिथिगणों का आभार प्रकट कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

73 वाँ गणतंत्र दिवस समारोह मनाया

ECMS के तत्वावधान में 26 जनवरी 2022 को 73वाँ गणतंत्र दिवस मनाया गया। mhs के प्रांगण में कोरोना गाइड लाइन के अनुसार मनाए गए इस सादगीपूर्ण समारोह में श्री प्रदीप बाहेती, श्री नटवर लाल अजमेरा के साथ मुख्य अतिथि श्री रामकुमार भूतड़ा (कोषाध्यक्ष, प्रदेश भा.ज.पा. एवं अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवासदन पुष्कर के अध्यक्ष) ने ध्वजारोहण किया।

श्री बाहेती ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि प्राकृतिक प्रतिकूलताओं, अनेक चुनौतियों और कोविड-19 महामारी के बावजूद खेतों से लेकर अंतरिक्ष तक, शिक्षण संस्थानों से लेकर अस्पतालों तक वैज्ञानिकों के समुदाय और विशेषज्ञों ने हमारे जीवन को समृद्ध किया है। आपदा को अवसर में परिवर्तित करते हुए हमारी शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों ने आधुनिक तकनीकी का प्रयोग करते हुए नए आयाम स्थापित किए हैं। महासचिव शिक्षा श्री नटवर लाल अजमेरा ने कहा कि ई.सी.एम.एस. के अंतर्गत संचालित शिक्षण संस्थाओं में लगभग 24000 विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु 1000 शिक्षक अत्याधुनिक संसाधनों का प्रयोग करते हुए विद्यार्थियों को भविष्य का सुसंस्कृत, श्रेष्ठ एवं सफलतम नागरिक बनाने में प्रयासरत हैं।

माहेश्वरी समाज सतत कर्मशीलता व पुरुषार्थ के बल पर शिक्षा और समाजसेवा के माध्यम से राष्ट्र के चहुँमुखी विकास में अपना योगदान देकर देश के विकास को मजबूती प्रदान कर रहा है। श्री अजमेरा ने ई.सी.एम.एस. के अन्तर्गत संचालित समस्त विद्यालयों की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक उन्नति व उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश की तरक्की के लिए दिन-रात काम करें ताकि आने वाले समय में हमारा देश न केवल अपना वरन् दुनिया के अन्य देशों का भी उचित मार्गदर्शन कर सके और पुन: विश्व का सिरमौर बन सके। अंत में एम.एच.एस. के मानद् सचिव श्री अशोक कुमार फलोड़ ने सभी आगन्तुक महानुभावों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में राज्य सरकार की कोविड-19 की गाइडलाइन का पूर्णत: पालन किया गया।

वसंत पंचमी पर माँ शारदे का किया पूजन

विद्यालय में 5 फरवरी को 'वसंत पंचमी' पर्व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में स्थित माँ सरस्वती की प्रतिमा का वासंती शृंगार किया गया तथा पीले पुष्पों की माला पहनाकर माँ सरस्वती का पूजन किया गया। 'वर दे वीणा-वादिनी वर दे' गीत का सस्वर गायन करते हुए सभी ने माँ से विद्या का वरदान देने की प्रार्थना की। इस अवसर पर प्राचार्य महोदय ने वसंत पंचमी के महत्व से अवगत कराते हुए सभी को वसंत पंचमी की बधाई दी। छात्र सप्तक शर्मा ने सुमधुर भजन प्रस्तुत कर सभी को आनंदित किया। अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

Dance Competition [Patriotic Theme]

The new year began with a bang with new hopes and new possibilities. A beautiful way to welcome the new year.

Students participated in active numbers in the Dance Competition held on 21st Jan'2022. The theme of the Competition was "Patriotic". Children dressed up in accordance with the theme and were worth an appreciation. The efforts put by the parents was commendable as they lit up their rooms with tri colours and dressed their children. Children melodiously danced on the patriotic songs, participated with full enthusiasm and had a gala time.

The winners were awarded with a Certificate and an appreciation note was sent to all the parents for their whole hearted support in making this event a success.

नूतन वर्ष का अभिनन्दन

01 जनवरी को सम्पूर्ण विश्व में मनाये जाने वाले नववर्ष को विद्यालय में भी हर्षोल्लास से मनाया गया। छात्राओं ने विभिन्न थीम यथा राजस्थानी, पंजाबी, हरियाणवी व गुजराती पर आधारित मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों द्वारा नव वर्ष का अभिनन्दन किया। कार्यवाहक प्राचार्य श्री प्रमोद जाजू ने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं व कर्मरत हो नव संकल्पों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कोविड -19 टीकाकरण सम्पन्न

देश में अप्रत्याशित रूप से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण और ओमिक्रॉन वेरिएंट के मामलों के बीच भारत सरकार द्वारा 15-18 वर्ष के युवा वर्ग हेतु कोरोना की वैक्सीन लगाने के लिए जो कदम बढ़ाया है उसी को गति प्रदान करते हुए 12 जनवरी 2022 को विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क वैक्सीन शिविर का आयोजन किया गया। ECMS द्वारा कोरोना के विरुद्ध वैक्सीनेशन रूपी जो मशाल जलाई उसे MBV की छात्राओं ने अपने मजबूत हाथों में थाम कर सैकडों की संख्या में टीकाकरण करवाकर अपनी सहभागिता दी।

इस कैंप का उद्घाटन प्रसिद्ध समाज सेवी श्री कृष्ण प्रकाश जी मालपानी ने 'युवा दिवस' पर स्वामी विवेकानन्द जी की तस्वीर को पुष्पहार पहनाकर किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री महावीर नोवाल के साथ ECMS के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, उपाध्यक्ष श्री रमेश सोमानी, MBV के मानद् सचिव एडवोकेट द्वारका दास मालू, भवन मंत्री श्री अनिल

कचौलिया, कार्यवाहक प्राचार्य श्री प्रमोद जाजू एवं अनेक प्रबुद्ध पदाधिकारीगण, प्रबन्ध समिति के सदस्यगणों ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

टीकाकरण के इस शिविर से लाभान्वित विद्यालय की छात्राएँ और उनके माता-पिता अति उत्साहित व प्रसन्न नजर आए। इस शिविर में सैकड़ों की संख्या में बच्चों ने टीकाकरण करवाकर एक मिसाल कायम की। अभिभावकों ने विद्यालय की इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की। मुख्य अतिथि श्री कृष्ण प्रकाश मालपानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि युवा वह अग्निबाण है जिसे कोई रोक नहीं सकता, सिर्फ उसे सही दिशा और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। समाज अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती ने कहा कि महामारी से लड़ने तथा समाप्त करने का प्रमुख उपाय शत-प्रतिशत टीकाकरण ही है।

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन

15 जनवरी 2022 को विद्यालय में कक्षा 9 एवं 11 हेतु ऑफलाइन तथा कक्षा 3,4,6,7 के लिए ऑनलाइन शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। अपने बच्चों के शैक्षणिक उन्नयन के प्रति जागरूकता दिखाते हुए अधिकांश अभिभावक समय प्रबंधनानुसार विद्यालय में उपस्थित हुए। अभिभावकों ने अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए परीक्षा परिणाम प्राप्त कर विषय अध्यापकों से विचार-विमर्श किया।

इस दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी कोविड-19 के सुरक्षा संबंधी सभी निर्देशों का अक्षरश: पालन किया गया। अभिभावकों ने शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन को सार्थक बताते हुए विद्यालय की कार्यप्रणाली, समय प्रबंधन तथा शिक्षण व्यवस्था की प्रशंसा की।

गणतंत्र दिवस आयोजन

''तिरंगे की फिजाओं में आज भी शहीदों की महक बाकी है। जो हमें देश प्रेम हेतु प्रेरित करती है।''

26 जनवरी को 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर विद्यालय में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री रामदास मालपानी प्रमुख व्यवसायी एवं समाज सेवी, विद्यालय के मानद् सचिव एडवोकेट द्वारका दास मालू, भवन मंत्री श्री अनिल कचौलिया, कार्यवाहक प्राचार्य श्री प्रमोद जाजू, उपप्राचार्या श्रीमती सरोज जोशी तथा उपस्थित गणमान्यजनों द्वारा माँ शारदे के समक्ष वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण कर राष्ट्र के प्रति सम्मान प्रकट किया। विद्यालय के मानद् सचिव श्री द्वारकादास मालू ने अपने उद्बोधन में कहा कि ''भारत का भविष्य आज के विद्यार्थी हैं। इन्हें ज्ञानवान बनाने के साथ-साथ संस्कारवान तथा ज्ञान-विज्ञान, तकनीकी आदि के साथ अब खेलों में भी अग्रणी बनाना है। इस पुनीत कार्य में ECMS हर पथ पर सब के साथ है।''

मुख्य अतिथि ने सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी तथा इस कोरोना काल में तकनीकी आधारित नवाचार शिक्षण संसाधनों के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विद्यालय के प्रयासों की सराहना की। विद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य श्री प्रमोद जाजू ने स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले उन अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि हमे अपने देश की अस्मिता और अखण्डता की रक्षा हेतु सदैव तत्पर रहना चाहिये। लोकतंत्र ही हमें देश प्रेम, सेवा, त्याग तथा कर्त्तव्यनिष्ठा का पाठ पढ़ाता है। अत: हमें अपने कर्त्तव्यों के प्रति अडिग रहते हुए देश सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिये। विद्यालय में पधारे अन्य सभी गणमान्यजनों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए अपने अपने विचार प्रकट किए। विद्यालय के शिक्षकों द्वारा सुमधुर देश भक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुतियाँ दी गईं। मुख्य अतिथि को विद्यालय परिवार की ओर से स्मृति चिह्न भेंट स्वरूप प्रदान किया गया।

स्मृतिशेष स्वजनों को श्रद्धांजलि एवं श्रद्धासुमन

विगत दिनों हमारे समाज के कुछ बंधु/बहनें हमसे बिछुड़ गए। समाज अध्यक्ष, महामंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्यों की ओर से उनके शोक संतप्त परिवारों को हार्दिक संवेदनाऐं प्रेषित हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिव्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दे।

श्री सीताराम धूत
16.01.2022

श्रीमती सुलोचना सोमानी
16.01.2022

श्रीमती ललिता देवी बिरला
17.01.2022

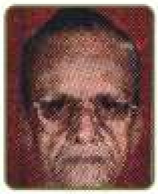

श्री राधेश्याम शारदा
17.01.2022

श्री बृजमोहन लखोटिया
20.01.2022

श्रीमती कान्ता देवी बिरला
24.01.2022

श्रीमती भगवती सारडा
25.01.2022

श्रीमती जमुना देवी सोढाणी
28.01.2022

श्रीमती गंगा देवी
(फूली देवी) लढ्ढा
29.01.2022

श्री बल्लभदास मालू
02.02.2022

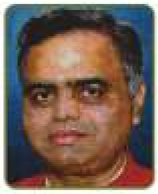

श्री आकाश दीप तोतला
02.02.2022

श्रीमती माया देवी सोमानी
03.02.2022

श्री अनिल कुमार साबू
04.02.2022

सुश्री प्रेरणा राठी
06.02.2022

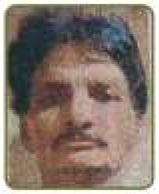

श्री विजय कुमार कचौलिया
08.02.2022

विद्युत चालित एवं पारदर्शी ''जागृति अन्तिम दर्शनिका''

अन्तिम संस्कार में देरी की संभावना हो तो, मृत शरीर को ज्यों का त्यों बिना बर्फ आदि के कई दिनों तक 'जागृति अन्तिम दर्शनिका' में अन्तिम दर्शन हेतु यथा स्थिति में आपके घर पर ही रखा जा सकता है। मृत शरीर के डीकम्पोज होने व इससे होने वाले संक्रमण से परिवार व मित्र बच पाते हैं। यह सुविधा 24 घण्टे पूर्ण रूप से निःशुल्क उपलब्ध है।

सम्पर्क सूत्र :- जयकृष्ण जाजू-98290 53031, सुदर्शन फोमरा-93140 36672, आनन्द दम्मानी-93145 00979

गणगौर सेवा केन्द्र

''गणगौर हाऊस'' प्लॉट नं. 166, सेक्टर-2, गणेश पार्क के पास, ''उत्सव'' जनोपयोगी भवन के पीछे, विद्याधर नगर, जयपुर। फोन : 2235363

मेडिकल इक्विपमेंट्स व फर्नीचर की सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध

★ मेडिकल पलंग ★ व्हील चेयर ★ वाकर ★ स्टिक ★ टॉयलेट पॉट
★ टॉयलेट चेयर ★ बैसाखी ★ बैक रेस्ट ★ यूरिन पॉट

सम्पर्क करें :- **गणगौर बेसन शॉप**, खण्डेला हाऊस, चाँदपोल बाहर, बस स्टैण्ड के पास, झोटवाड़ा रोड, जयपुर, फोन : 0141-2283111

KDRC KAMAL DIAGNOSTIC & RESEARCH CENTRE JAIPUR

कमल डाइग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेन्टर

O-5, हॉस्पिटल मार्ग, एस.एम.एस. हॉस्पिटल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001

फोन : 0141-6452922, 2374777, 4039727

सुविधाएँ

★ **M.R.I. 1-5 Tesla** ★ **सी.टी. स्केन**

★ सोनोग्राफी (3D/4D) ★ कलर डॉपलर ★ डिजिटल एक्सरे

★ ईको ★ ई.सी.जी. ★ ई.ई.जी. ★ सी.टी.एम.टी. ★ एन.सी.वी. ★ बायोप्सी ★ एफ.एन.ए.सी. ★ ऑडियोमेट्री

एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध

सभी प्रकार के बायोकेमिकल, हेमटोलोजिकल लेबोरेटरी टेस्ट की सुविधा

डॉ. कमल अग्रवाल 98291-59029

निर्मल मूंदड़ा 98290-50202

डॉ. गौतम शर्मा 94140-74005

BAHETI OPTICIAN

WHOLESALE DEALERS IN ALL KIND OF OPTICAL FRAMES & GLASSES & GOGGLES.

Mukesh Baheti
+91 98290 48022

Ray-Ban | ELLE | VOGUE | fastrack | LACOSTE | TOMMY HILFIGER | ESPRIT

15% DISCOUNT FOR MAHESHWARI SAMAJ

M : 9929076022

A-13, Mall Road, Sector-1, Vidhyadhar Nagar, Jaipur-13

Pradeep Somani

9352488758

NIRMIT PROPERTIES

TO-LET • SALE • PURCHASE

NIRMIT OPTICIANS

20% Discount

G-43, Dwarika Tower, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
E-mail : nirmit.opticians@gmail.com

Ghanshyam Birla (Jimmy)
Mob. No. 9829013154
9314501179

Birla ENTERPRISES

44, Gangori Bazar, Jaipur-302 001
Phone : (O) 91-141-2315324 ® 2322324
Website : www.birlaenterprises.com
Email : birlaenterprises@hotmail.com

LIC

भारतीय जीवन बीमा निगम

- Pension Plan
- Income Continuity Plan
- Children Marriage / Education many more attractive plan
- Loan Liability etc....
- Care Health Insuran ce (Mediclaim) (Free Health Check-up Facility Available)
- Mutual Fund (SIP) Available

Our belief create and save

Free Policy Servicing also Available

Call : 9309337880

आलोक कुमार माहेश्वरी बम्बाला सेक्टर-5, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर
email: alokkumarmaheshwari@gmail.com

MAKE IN INDIA

PURE STONE

TOPSTAR GRANITES

a Unit of Top Star Elect. (India) PVT. LTD.

F-596, Road No. 6, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur-302013 (Raj.)

Ph. +91 9414074924, 0141-2280720
www.topstargranites.com
sanjaytopstar@gmail.com
sales@topstargranites.com
topstareipl@gmail.com

Sanjay Kabra

Shree Krishna Group
आपका विश्वास... हमारी पहचान...

॥ जय श्री कृष्णा ॥

भवानी माहेश्वरी (छापरवाल)
93146-51206

जय श्री कृष्णा प्रोपर्टीज एण्ड बिल्डर्स

सी-11-बी, दाधिची नगर, खाटू श्याम मंदिर के पास, एच.टी. लाईन रोड
रोड नं. 5 के सामने, सीकर रोड, जयपुर-302039 Ph.: 8766111100
E-mail : skgroup.jaipur@gmail.com I www.shreekrishnagroupindia.com

---

SRSP

COLOUR ROOF

RELIABLE • DURABLE • ECONOMICAL
Colour Coated Profile Sheets

Kailash Mimani
+91- 8824118281
Harshit Mimani
+91- 8302003095

RESIDENTIAL | COMMERCIAL | INDUSTRIALS
Colour Coated Sheets | Gutters | Flashings
Corners | Ridges Crimps | Installation Accessories

Road No.9A, VKI Industrial Area, Sikar Road, Jaipur - (Raj.)

Sparklez
Creating An Aura

Sharad Bagree
+91-9269099995
+91-9214145888

Weddings | Corporate | Photography
Catering | Birthday | Anniversary
Baby Shower & All Type of events

Registered in Utsav Maheshwari Bhawan

Address : F-255, Priyadarshini Marg, Shyam Nagar, Jaipur
E-mail : sparklezaura@gmail.com I https://m.facebook/sparklezjaipur/

EXIDE POWER BRIGADE

DEALS IN

EXIDE BATTERY - TWO WHEELER, FOUR WHEELER & HEAVY VEHICLES
EXIDE INVERTORS & INVERTOR BATTERY
UPS BATTERY & SMF BATTERY

PLATINUM HIT DISTRIBUTOR
HEMANT MACHHAR - 9928789449
HARI OM BATTERY

EXIDE POWER BRIGADE
HARI KISHAN MACHHAR - 9414073249
HIND MOTORS (SINCE 1965)

OPP. AGARWAL COLLEGE, AGRA ROAD, JAIPUR 302004

Students Aspiring for Excellence
in School Performance, X/XII Boards, NTSE, KVPY, Olympiads, JEE Main/Advanced

And a Strong Foundation for Other Streams like Medical (NEET), Commerce, Arts, Pure Sciences etc. (During Classes VI to X)

FIITJEE is the only Institute of Real Substance?

- Small Batch Size
- Best Faculty
- myPAT- The best Examination & Analysis system
- Comprehensive Study Material
- Enabling Infrastructure
- Personalised Coaching

Yet Again Proven by the Dominant Results in JEE Advanced 2021

All India Rank **1** – Mridul Agarwal, Student of Intensive Contact Program (XII)

All India Rank **2** – Dhananjay Raman, Student of UDAYA - Two Year (VII - VIII) + Four Year Classroom Program (IX - XII)

All India Rank **3** – Anant Lunia, Student of Three Year Classroom Program (X - XII)

All India Rank **6** – Soni Naman Nirmal, Student of Intensive Contact Program (XII)

All India Rank **7** – Kartik Sreekumar Nair, Student of Two Year Classroom (IX & X) + PINNACLE - Two Year Integrated School Program (XI & XII)

All India Rank **8** – Chaitanya Aggarwal, Student of Grand Masters Package (XII)

Number of FIITJEE Students **Topping their IIT Zone / State / City** from FIITJEE's Long Term Classroom & Integrated School Programs only.

5 IIT Zone Toppers | **12** State Toppers | **22** City Toppers

6 in Top 10 | 12 in Top 20
24 in Top 50 | 42 in Top 100
All India Ranks

MPS Students share their experience with FIITJEE ...

AIR 862 in JEE Advanced 2021
Not just great study material, teachers and testing – the most important advantage I gained from FIITJEE was that I started to enjoy learning.
Ashi Veerman | Two Year Classroom Program

AIR 872 in JEE Advanced 2021
I joined FIITJEE for better preparation and the small batch size left no room for doubts. The way FIITJEE analysed my performance and helped me tackle my weak points was outstanding.
Manan Kabra | Four Year Classroom Program

AIR 1304 in JEE Advanced 2021
The small batch size and personal attention of teachers helped me a lot in my preparation. Teachers at FIITJEE were very co-operative and supportive, they taught all concepts in great detail.
Harsh Sharma | One Year Classroom Program

I would like all my juniors to join FIITJEE Jaipur to enhance their interest in science and be successful in their future.
Gold Medalist
International Chemistry Olympiad (IChO) 2016
Valay Agarawal | Three Year Classroom Program

Scholarship Cum Admission Test
20th March 2022
&
3rd April 2022
(Choose the Test Date which suits you the best)
The Test will be conducted in proctored online mode (can be taken from the safety of your home)
For Students Presently in **Class V, VI, VII, VIII, IX, X & XI**

2 out of every 3 Students from FIITJEE Jaipur Centre
make it to an IIT/NIT or IIIT and his consistency as been maintained since last 12 years!

FIITJEE JAIPUR CENTRE
J.L.N. Marg Campus: 3–A, D.L. Tower, Vidyaashram Institutional Area, J.L.N. Marg, Jaipur - 302017 | Ph: 0141-5198183, 8875555802, 8875555804
Vaishali Campus: 1st Floor, Vaibhav Multiplex, C-1, 'C' Block, Amrapali Circle, Vaishali Nagar, Jaipur - 302021 | Ph: 0141-4920319, 8875555802
Vidyadhar Nagar Campus: 302, 3rd Floor, Times Square, Central Spine, Vidyadhar Nagar, Jaipur - 302023 | Ph: 0141-4920318, 8875555804

स्वत्त्वाधिकारी श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक- मुद्रक गोपाल लाल मालपानी, महामंत्री द्वारा रेनबो प्रिन्टर्स, जयपुर से मुद्रित एवं श्री माहेश्वरी भवन, सिंघी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर-302003 से प्रकाशित। सम्पादक- रामदास कोठ्यारी